राज
विनाश
नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव

प्रलय के बाद हमेशा होता है, विनाश! और इस विनाश के कई कारण हो सकते हैं। मौसमों की बिगड़ती, चरमराती और टूटती सामाजिक मान्यताएं, राष्ट्रों के बीच से आणविक युद्ध... और या फिर यह विनाश पृथ्वी के बाहर से भी आ सकता है...
...उल्का, सौर तूफान या धूमकेतु के रूप में। हमारे पृथ्वी पर जीवन के विनाश और या फिर पृथ्वी के ही विनाश की कई तारीखें ज्योतिषी, शायद तुम्हें बता चुके हैं। इनमें से कुछ तारीखें तो बिना किसी घटना के पार हो गईं, और कुछ तारीखें अभी आनी शेष हैं। इनमें से ही एक तारीख है 25 अक्टूबर 1991। जिस दिन होगा... पृथ्वी का...
विनाश
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विट्ठल कांबले, विनोद कुमार
सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता

जब कभी भी बड़ी आग लगती है तो वह अक्सर एक छोटी सी चिंगारी से ही शुरू होती है–
और वह छोटी सी चिंगारी आज महानगर की सड़कों पर घूम रही है–
15 KM
बस! पन्द्रह मिनट बाद...
...मैं अपनी मंज़िल पर होऊंगा...
...यह क्या?
स्टाप! यहीं रुको!
STOP
यह अपुन का चेक पोस्ट है, बाप! रोड टैक्स देकर आगे जा इधर! ला निकाल माऽऽऽल!
अच्छा! और अगर न दूं तो?
तो तेरे जैसे शरीफ को हलाल करने में अपुन को बहुत तकलीफ होएगा!
EXPLOSIVE
विस्फोटक
लेकिन इससे पहले कि वह 'टैक्सकलैक्टर' उस 'शरीफ' को हलाल कर पाता...
स... सांप!...
...यहीं आ गया...

...नागराज! मत समझा, बाप! तेरे से भागकर ही तो अपुन शहर से इस वीराने में अड्डा बनाएला था। तू इधरीच भी पहुंच गया।
नागराज तुम जैसे दुष्टों का पीछा जहन्नुम तक नहीं छोड़ेगा, समझा!...
...अब तुम सीधा जानते हो न कि तुमको क्या करना है? या मैं समझाऊं?
मैं जानता है बाप! तेरे पास अपुन को पुलिस स्टेशन पहुंचाने का टाइम नहीं है। अपुन धमाका के साथ उधर जाकर अपने खिलाफ रिपोर्ट लिखकर लौकअप में बन्द हो जाएगा।
ठीक समझे, मेरा सूक्ष्म-सर्प सांप तुम्हारे साथ तब तक रहेगा, जब तक तुम लौकअप में बन्द नहीं हो जाते।
अब जाओ!
ध... बहुत, बहुत धन्यवाद नागराज।
इसकी कोई जरूरत नहीं है। अब आप आराम से अपनी यात्रा पर जा सकते हैं।
नागराज अगर पीछे की सीट पर झांककर देख लेता, तो शायद आज दुनिया की शक्ल ही कुछ और होती–
लेकिन ऐसा नहीं हुआ–
क्योंकि होनी को कुछ और ही मन्जूर था–

कुछ ही देर के बाद वह कार पुरानी नगरी में खड़ी हुई थी—
यही है। एकदम यही है। एक-एक दीवार, इस प्राचीन नक्शे से मेल खा रही है।...
... यानी यही पुरानी नगरी है। देवों की वह नगरी, जिसकी तलाश में मैं न जाने कितने प्राचीन खंडहरों की खाक छान चुका हूं।
अब देखूं कि इस 'सृष्टि पुराण' में और क्या लिखा हुआ है। यह प्राचीन ग्रंथ हमारे खानदान में सैकड़ों वर्षों से रखा हुआ है। कहते हैं कि इसे हमारे एक पूर्वज को देवताओं ने यह कहकर दिया था कि जब सृष्टि का अन्त होगा, तब सिर्फ यह पुराण बचेगा। और जिसके हाथों में यह पुराण होगा, वह प्रभु की सहायता से सृष्टि की पुनः रचना करेगा।
जैसे मनु की इस सृष्टि की रचना में प्रभु ने मदद की थी।
और अगर प्राचीन ग्रंथ में रखा यह नक्शा सही है...
... तो इसमें लिखी वह भविष्यवाणी भी सत्य होगी... कि संवत 2054 में आकाश से प्रभु का कहर टूटेगा और पापियों का विनाश हो जाएगा।...
... क्योंकि उस युग के उस समयकाल में मानव इतना पापी और भ्रष्ट हो जाएगा कि उसको नष्ट करने के अलावा प्रभु के सामने और कोई रास्ता नहीं होगा।
इसके अनुसार तो प्रलय की वह तारीख कुछ ही दिन बाद है। अब अगर मुझे इस नगरी में रखा वह 'जीवन-दंडक' मिल जाए तो उत्पत्ति भी कर सकता और नाश भी...
... तो इस ग्रंथ की एक-एक बात पर सत्यता की मुहर लग जाएगी।...

नक्शे के अनुसार इसी स्थान के नीचे दबा होना चाहिए, वह 'सृष्टि-केन्द्र' जहाँ पर वह ग्रंथ रखा है। मैं वहीं पर विस्फोटक लगाता हूं।
वह व्यक्ति डायनामाइट की छड़ें जगह-जगह पर फिट करने में व्यस्त हो गया–
और फिर- एक के बाद एक तीन-चार धमाकों से पूरी नगरी का सन्नाटा कांप उठा–
इस धमाके के फलस्वरूप वहां के कलगीवाली और मूक विशालकाय छिपकलियां भयभीत होकर इधर-उधर दुबक गए–
और इन धमाकों से बने उस छेद से प्रवेश द्वार में घुस गया वह रहस्यमय और बूढ़ा व्यक्ति–
कमाल है! इस स्थान में घुप्प अंधेरे के बजाय हल्का प्रकाश है! इन लोगों के द्वारा जिसमें न जाने क्या क्या हुआ! यह तो वास्तव में देवों की नगरी लगती है।

comicsworld.in

मलके, तैयार हो जाओ! तुम्हारा 'मसीहा' आ रहा है।
इसने देवता के स्थान का पता लगा लिया है। और यहां घुसने की जुर्रत भी की है। साथ ही साथ यह देवता का [illegible] भी चोरी करके ले आ रहा है।...
...अब ये यहां से बचकर नहीं जा सकता।
...मेरा रास्ता छोड़ दो, मूर्खों! वर्ना जलकर राख हो जाओगे।
सांय
'जीवनदंडक' यमराज के पाश की तरह तुम्हारे प्राण—
...अरे! यह तो कुछ भी नहीं कर पा रहा है।
अ... अब क्या होगा? क्या मानव जाति को बचाने से पहले मेरे ही प्राण चले जाएंगे?
हाँ... शायद ये 'ब्लैक बॉक्स' कुछ कर सके।
घबराहट में थिरकती मसीहा की उंगलियां अनजाने ब्लैक बॉक्स के किसी बटन पर दब गईं...

...कि उसमें एक अजीब सी संगीत लहरी निकलकर वातावरण में तैरने लगी–
और कबीले वाले अपने स्थान पर जड़वत हो गए। उनकी आंखें सम्मोहित होकर फैलने लगीं–
वाह! यह तो सचमुच प्रभु का चमत्कार है।...
...इस चमत्कार ने ही मुझे मृत्यु के मुंह से बचाया है।...
...अब मैं पूरी पृथ्वी की मृत्यु से बचाऊंगा।
लेकिन वक्त बहुत कम है! मुझे बहुत थोड़े से समय में पूरी दुनिया में प्रभु का संदेश फैलाना है।...
...और इसके लिए मुझे आवश्यकता होगी धन की।...
...और प्रभु के काम के लिए मैं कहीं से भी धन लाऊंगा। चाहे मुझे चोरी ही क्यों न करनी पड़े। परन्तु मुझे साथ ही साथ सावधानी भी बरतनी होगी कि कहीं कार्य पूरा करने से पहले ही मैं पकड़ न लिया जाऊं।
महानगर, नागराज के संरक्षण में है। उसकी शक्तियां मेरे लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। इसलिए मैं अपना अभियान पास के ही दूसरे मेट्रो राजनगर से शुरू करूंगा। वैसे तो वहां भी ध्रुव से खतरा है, पर उसके पास कोई शक्ति नहीं है। उससे तो मैं निबट ही लूंगा।
कहते हैं कि शक्ति इंसान को भ्रष्ट बना देती है। और महाशक्ति, इंसान को महाभ्रष्ट। मसीहा के साथ भी ऐसा ही कुछ होते जा रहा था–

अगले दिन राजनगर में-
अहा! जहांपनाह आज नौ बजे सोकर उठे हैं!
उंहूं!
रात-रात भर जागना पड़े तो पता चले! लेकिन तुम्हें मेरे देर से उठने से क्या फर्क पड़ता है?
इस घर में एक तुम ही तो इंटेलीजेंट हो, भइया! तुमसे कुछ पूछना था।
दरअसल, छुट्टियों का टाइम काटे नहीं कटता। इसीलिए अखबार में एक पहेली भर रही थी।
हुंम! वह कौन सा पक्षी है जो रात को जागता है और दिन में सोता है?
उल्लू! इतना भी नहीं जानती?
नहीं जानती तो मत बताओ। गाली क्यों दे रहे हो?
अरे! मैं गाली कहां दे रहा हूं? मैं तो बता रहा हूं। वह पक्षी उल्लू है।
हां हां! सही तो बताया। हुंम! अब बताओ इसकी शक्ल देखना अच्छा माना जाता है या खराब?
बहुत खराब!
अब... इसकी एक खूबी बताओ?
यह अपनी गर्दन को पूरा 180 डिग्री पर घुमा सकता है। ऐसे। समझी?
हां समझी!
क्या समझी?
यह पक्षी तुमसे काफी मिलता-जुलता है। इसकी जगह तुम्हारा नाम भी लिखा जा सकता है।
अच्छा! तो तू मेरा मजाक उड़ा रही थी। ठहर तो!

मम्मी! मुझे इस 'ट्यूबलाइट' से बचाओ!...
ओफ्फो इशिता! अब तू कॉलेज में आ गई है। बचपना छोड़!
मम्मी, तुम जानती हो? इसने सुनि...
रे... रे... झूठ नहीं! झूठ नहीं बोलना।
अब ये अखाड़ा छोड़ो। सुनो भइया, जल्दी से तैयार हो जाओ...
...और कॉलेज जाने से पहले बैंक में होते जाना। सुबह-सुबह मैनेजर साहब का फोन आया था। तुमसे कुछ जरूरी कागजातों पर दस्तखत कराने हैं।
और मेरे प्यारे भइया...
...बैंक के बगल में ही मैंने अपना 'वॉकमैन सी.डी.' बनने दिया था। उसे भी लेते आना।
उल्लू दिन में काम नहीं करते!
मेरा मतलब... तुम उल्लू थोड़े ही हो, जो बुरा मान जाओगे! ले आओगे न भइया! प्लीज़ज़!
ठीक है! ठीक है! ले आऊँगा! अब मेरे कान मत खा!
तुम तो बुरा मान गए भइया... बुरा तो उल्लू को मानना चाहिए।
क्या?
और सुनो! उड़ते-उड़ते मत आना। मेरा मतलब मोटरसाइकल धीरे चलाना।
ये चुलबुली बूढ़ी हो जाएगी, तो भी नहीं सुधरेगी!

★ मिस किलर को नागराज ने जेल कैसे पहुंचाया था? यह जानने के लिए पढ़ें "नागराज का अंत"

और नागपाशा तो अमर होने के कारण हम सबको कुछ समझता ही नहीं। वैसे नागराज ने उसकी भी जमकर धुलाई की है। तुम्हारा अपराध साम्राज्य छिन्न-भिन्न होने से तुम्हारी शक्ति भी एक चौथाई रह गई है...
...नागराज ने हम सबको सिर्फ आर्थिक ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से काफी नुकसान पहुंचाया है। और जब तक वह जिन्दा रहेगा, यही चलता रहेगा। इस समस्या का सिर्फ एक ही अन्त है। नागराज की मौत।
कोई नई बात करो सलीना! यह कोशिश तो हम पिछले कई वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। पर कभी सफल नहीं हुए।
इस बार होंगे मिस किलर! इस बार होंगे। क्योंकि अब तक हम नागराज पर हम अलग-अलग हमला करते थे एक-एक करके! और नागराज हमको पीट देता था।
पर इस बार हम एक साथ नागराज पर हमला करेंगे। हमारी संयुक्त शक्ति के सामने वह कभी टिक नहीं पाएगा। तुमको जेल से छुड़ाने का यही मकसद है हेलन!
हम्म! ख्याल तो अच्छा है। पर और महाखलनायक कहां हैं? उनको भी साथ मिला लो।
बाकियों में शाकूरा तो अपने ग्रह वापस चला गया है। नागमणि को हम ढूंढ नहीं पाए। और नागपाशा हमारे साथ आने को तैयार नहीं हुआ।
खैर जाने दो! हम तीन ही बहुत हैं। अब तुम मुझको नागराज के उन-उन कारनामों के बारे में बताओ, जो उसने मेरे जेल में रहने के दौरान किए...
...और फिर तुम बताओगे मिस किलर की एक खतरनाक स्कीम! नागराज की मौत की स्कीम!
वैसे तो 'तीन तिगाड़ा- काम बिगाड़ा' कहावत मशहूर है, लेकिन इस बार किसका काम बिगड़ने वाला था, यह तो वक्त ही बता सकता है—

...ld.net

फिलहाल तो हम आपको वहां लिए चलते हैं जहां पर सचमुच किसी का काम बिगड़ने वाला है।
ना ना ना ह ना रे ह ना रे ह... ना रे हह धमाकेदार गाना है।
सर्विस सेंटर वाले ने कहा था कि आधे घंटे तक लगातार चलाकर सीडी प्लेयर चेक कर लेना।
अब बैंक वाले हंसे तो हंसे। अरे! कोई मेरी हैलो का जवाब क्यों नहीं दे रहा? सब पुतले जैसे क्यों बैठे हैं?
इन सबकी आंखें तो पथराई हुई हैं, जैसे किसी ने इनको सम्मोहित कर दिया हो। पर यह कैसे संभव है? इतने सारे लोगों को एक साथ कोई सम्मोहित कर ही नहीं सकता।
यह काम तो सिर्फ... कर पाता था। और वह भी कॉमिक में। असलियत में नहीं।
ओह! मुझ पर भी नींद सी छा रही है। अजीब से कंपन मेरे शरीर से टकरा रहे हैं।
ध्रुव ने अंजाने में अपने कानों से हैडफोन के तारों को खींच दिया—

comicsbdi.net

मसीहा को ध्रुव ने रोक तो जरूर लिया-
आह! मेरा ब्लैक बॉक्स!
लेकिन अगले ही पल कई शिकंजों ने उसके शरीर को अपनी गिरफ्त में ले लिया-
अरे! यह क्या? छोड़ो मुझे! वर्ना वह मसीहा, बैंक के पैसे लेकर भाग निकलेगा... उसको पकड़ो मुझे नहीं! ये तो मेरी बात ही नहीं सुन रहे हैं।
हा हा हा! बैंक के बाहर घूम रहे ये नागरिक भी मेरे संकेत से सम्मोहित हो गए हैं। और मुझ पर हमला होते देखकर ये ध्रुव को पकड़ रहे हैं। यही वह ब्लैक बॉक्स है जिसके पास हो, सम्मोहित प्राणी उसका गुलाम बन जाता है! लेकिन अब बॉक्स कहीं गिर चुका है, और इस भीड़ में उसको ढूंढ पाना असंभव काम है।

वैसे भी मैं खतरा मोल नहीं लूंगा। अब ब्लैक बॉक्स मेरे पास नहीं है। क्या पता अब सम्मोहित भीड़ पलट कर मुझ पर ही टूट पड़े...
...या फिर ये मशीन मुझे ही सम्मोहित कर दे! मुझे यहां से फटाफट निकल लेना चाहिए।
ओह! सलीहा भाग रहा है! और यह भीड़ मुझे छोड़ ही नहीं रही है एक ही रास्ता है।...
...सलीहा को भागने से रोकने का।
ध्रुव ने अपना एक हाथ आजाद करके बेल्ट से 'स्टार ब्लेड्स' निकाले—
और हवा में उड़ते हुए 'स्टार ब्लेड्स' सलीहा की कार के टायरों में आ धंसे—
अरे! यह क्या? टायर पंक्चर!—
...कार छोड़कर भागना होगा!
BANK O
ध्रुव फिलहाल, सलीहा के पीछे जाने की स्थिति में कतई नहीं था। अभी तो उसको ऐसा कोई उपाय सोचना था जो उसकी आत्मा को उसके शरीर के अंदर ही रख सके—

ये निर्दोष नागरिक सम्मोहन का शिकार हैं। इसलिए मैं इन पर हाथ नहीं उठा रहा हूं।
लेकिन इनका सम्मोहन तोड़ने के लिए मुझे कुछ न कुछ तो करना ही... मैं समझ गया कि मुझे क्या करना है।
सबसे पहले मुझे इनके शिकंजे से छूटना होगा।
ध्रुव तेजी से बैंक की ओर वापस भागा—
और भीड़ भी उसके पीछे-पीछे भागी—
लेकिन ध्रुव, भीड़ के पहुंचने से पहले ही बैंक के गार्ड की बन्दूक लेकर दो गोलियां दाग चुका था—
दो जोरदार धमाके हुए—
आह!
ओह!
और ध्रुव के पीछे बढ़ती भीड़ में सभी के कान झनझना उठे—

और इस तेज आवाज ने सभी का सम्मोहन तोड़ दिया-
अरे! मैं अभी तक बैंक के पास ही खड़ा हूं। पर क्यों?
समझ में नहीं आ रहा है कि मैं यहां क्या कर रही हूं? मेरा तो इस बैंक में खाता भी नहीं है।
मुझे तो कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा। मैं बहरा हो गया क्या?
ठीक वैसा ही हुआ, जैसा मैंने सोचा था।
धमाकों के शॉक के कारण वे सम्मोहन से आजाद हो गए हैं।
और इस तेज धमाके को सुनने के बाद इनके कान कुछ देर तक और कुछ सुनने की स्थिति में नहीं होंगे।...
...और इससे पहले कि शरीर कंपनों के जरिए यह संगीत इनको सम्मोहित कर सके, मैं ब्लैक बॉक्स को ढूंढ कर...
...इस संगीत को बन्द कर दूंगा!
ध्रुव, ब्लैक बॉक्स पर उभरे बटनों को तब तक दबाता चला गया जब तक वह अजीब संगीत बंद नहीं हो गया-
मुसीबत तो टल गई थी लेकिन अपने पीछे कुछ सवाल भी छोड़ गई थी-
यह चक्कर तो खत्म हुआ। पर यह 'ब्लैक बॉक्स' है क्या बला। और इसमें से यह संगीत कैसे निकलता है? ऐसा संगीत तो मैंने पहले कभी नहीं सुना! और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि चंद्र उस मशीन के पास आया कैसे?

शायद इसकी कार में ही कोई सूत्र मिल सके। यह क्या है?...
...किसी पुराने कागज का रोल लगता है।
यह तो कोई नक्शा है। किसी प्राचीन नगरी का नक्शा लगता है। ऊपर लिखा भी है... देवनगरी!...
...बाकी सब अजीब सी भाषा में लिखा है।
यह 'मसीहा' राजनगर में बैंक लूटने ज्यादा दूर से नहीं आया होगा! और इस शहर से सबसे पास जो प्राचीन नगरी है, वह महानगर के पास स्थित 'पुरानी नगरी' है।...
...मुझे महानगर जाकर छानबीन करनी होगी। और इसमें मुझे नागराज की सहायता लेनी होगी।
नागराज को खुद ही सहायता की जल्दी ही जरूरत पड़ने वाली थी–
पुलिस स्टेशनों में दर्ज रिपोर्टों के अनुसार पिछले दो घंटों में इस इलाके में तीन वारदातें हो चुकी हैं।

लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि इस इलाके में घूम रहे मेरे कई जासूस सर्पों में से एक ने भी मुझे मानसिक संकेत भेजकर इन अपराधों के बारे में सूचित नहीं किया। और मेरे लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि ऐसा क्यों हुआ?
परन्तु कारण जानते ही नागराज की आँखें आश्चर्य से फैल गईं-
यह क्या? कुछ दूसरे साँपों ने मिलकर मेरे सर्पों को मार डाला है।
पर ऐसे साँप आए कहां से जो मेरे सर्प सैनिकों को मार सकें?
ये नाग शक्तियाँ मेरे शरीर के अलावा और कहां से आ सकती हैं, नागराज!
नागदन्त! तू? परन्तु तेरी नाग-शक्तियां तो मैंने ले ली थीं। और... और...
और मेरे मस्तक में नागश्री को बैठा दिया था ताकि वह मेरा खोपड़ा तोड़ सके। पर उसने ऐसा क्यों नहीं किया, यही जानना चाहते हो न?...

...तो एक दुःखद समाचार सुन ले! नागाक्षी अब मेरे शरीर में तो क्या, इस ब्रह्माण्ड में भी कहीं नहीं है। मार डाला है मैंने उसे!
मार डाला है! असंभव! तुम उसको मार ही नहीं सकते थे। किसी तरह भी नहीं!
मैंने उसको कैसे मारा, इसकी चिन्ता छोड़ दे नागराज! तू कैसे मरने वाला है, यह सोचकर डर!
ओह! तू मुझे अपने सर्प-बंधनों में कैद करके वार करना चाहता है...
...लेकिन तू यह भूल गया कि नागसम्राट नागराज को कोई भी सर्प बंधन बांध कर नहीं रख सकता! अब तू अपनी जान की खैर मना!
नागराज ने नागदन्त पर विष फुंकार छोड़ी, लेकिन नागदन्त ने उस फुंकार को बीच में ही काट दिया–
बड़े आश्चर्य की बात है! अपने जन्म की कथा जानने के बाद यह तो मुझे पता चल गया है कि मेरे अन्दर देव कालजयी का विष है...

...और यही मेरी विष की अधिकता का कारण है। परन्तु नागदन्त को तो प्रोफेसर नागमणि ने बताया है। फिर भी यह मेरे जितना ही भयंकर विष कैसे उगल लेता है?
खैर! यह मैं बाद में सोचूंगा। अभी तो नागदन्त को काबू में करने के लिए...
...मेरी शारीरिक शक्ति ही काफी होनी चाहिए।
लेकिन नागदन्त में भी उन सर्प शक्तियों की ही ताकत थी–
अशरीरी सर्पों की शक्ति से भरा नागराज का एक करारा वार नागदन्त के शरीर से टकराया–
आह! आश्चर्य है! नागदन्त में तो सारी शक्तियां वापस आ गई हैं। पर कैसे?... और... और यह आदमी भी कैसे बच गया?
नागराज के मस्तिष्क में घुमड़ रहे इस सवाल का जवाब...

...पल में ही मौजूद था–
नागदन्त फिलहाल तो नागराज को बराबर की टक्कर दे रहा है। लेकिन यह ज्यादा देर तक नागराज के सामने टिक नहीं पायेगा...
...क्योंकि इसकी सर्प-शक्तियाँ अभी भी पूरी तरह से वापस नहीं आ पाई हैं।...
...अब नागराज शीघ्र ही अपनी सर्प सेना का प्रयोग करेगा, और नागदन्त कमजोर पड़ने लगेगा...
...और वही समय होगा मेरे मैदान में आने का।
मिस किलर ने नागराज की फाइटिंग-स्टाइल का बड़ी बारीकी से अध्ययन किया था। क्योंकि शीघ्र ही नागराज ने वही किया, जो मिस किलर ने सोचा था–
ऐसे लड़ते रहने से नतीजा नहीं निकलेगा।
इसको सर्प पाश में जकड़ना होगा।
नागदन्त ने भी जवाबी हमला किया, और दोनों की सर्प-शक्तियाँ आपस में गुंथ गईं–
लेकिन नागराज अपने हमले की तीव्रता को और तेज करता चला गया। नागदन्त की सीमित नाग शक्तियाँ अब कमजोर पड़ने लगी थीं–

और कुछ ही पलों बाद नागवृन्त, नागराज के सर्प शिकंजों में कैद था-
मैं नहीं जानता कि तू नागफनी से आजाद कैसे हुआ! लेकिन इस बार मैं कुछ पक्का इन्तजाम करूंगा। इस बार मैं तुम्हारे शरीर में नागफनी सर्प को प्रविष्ट कर रहा हूं...
...यह तुम्हारे रक्त में मिश्रित विष को चूस लेगा, और फिर उस जहर में ही जिन्दा रह सकने वाले सूक्ष्म सर्प कभी पनप ही नहीं पाएंगे।
लेकिन इससे पहले कि नागफनी सर्प पूरी तरह से बाहर आ पाता...
...नागराज के शरीर में कुछ कैप्सूल आ धंसे-
ओह! यह क्या?
किसने मुझ पर गोली चलाने की दुस्साहस की है?
मैंने, नागराज! और न तो मैंने दुस्साहस की है, और न ही तुम पर गोली चलाई है।
मिस किलर! तू नागवृन्त के साथ। यानी यह सब मेरे लिए बिछाया गया एक जाल था?
'था' नहीं, 'है' बोल नागराज! और तू इस जाल में ऐसे फंस गया, जैसे गोंद में मक्खी!
ऐसे जाल तुम लोग बहुत बार बिछा चुके हो मिस किलर! लेकिन नागराज को अबतक तुम जकड़ने में सफल नहीं हो पाए!

इस बार सफल होंगी नागराज। जरूर सफल होंगी। तू जानना चाहता था न कि नागदंत की शक्तियाँ वापस कैसे आईं? मैं लाई नागदंत की शक्तियाँ वापस...
...मैंने एक बहुत छोटा सा यंत्र बनाया। रक्त में मौजूद लाल रक्त कणों से भी छोटा। और इस यंत्र की मैंने ऐसी प्रोग्रामिंग कर दी कि रक्त में मौजूद सूक्ष्म सर्पों को समाप्त कर दे...
...और फिर इस यंत्र को मैंने नागदंत के शरीर में इंजेक्शन के द्वारा डाल दिया।...
...उस वक्त नागदंत के शरीर में सिर्फ एक ही सूक्ष्म सर्प था नागश्री। क्योंकि वह अन्य सर्पों को पनपने से पहले ही खत्म कर दे रहा था...
...इससे पहले कि नागश्री संभल पाता, मेरे यंत्र ने उसे खत्म कर दिया...
तड़
...नागदंत के शरीर में सर्प फिर से पनपने लगे और उसकी सर्प शक्तियाँ वापस आ गईं। अब वही सूक्ष्म यंत्र भरे कैप्सूल मैंने तेरे शरीर में घुसा दिए हैं।
उन कैप्सूलों के यंत्रों ने अब तक तेरे रक्त में मौजूद सर्पों का विनाश शुरू भी कर दिया होगा।
देख ले! तुझे कमजोरी अभी शुरू हो गई है।
तेरे यंत्र मुझे मार नहीं सकते, किलर। उनकी 'पॉवर' कभी न कभी तो खत्म होगी ही। और उन यंत्रों के निष्क्रिय होते ही मेरे रक्त में सर्प फिर से पनपने शुरू हो जाएंगे।

इतना समय तुझको नहीं मिलेगा नागराज! क्योंकि तुझको मौत के हवाले करने को बेताब हो रही है...
धड़ाक
—नागतंत्रिका नगीना!
नगीना! तू भी!
हाँ, नागराज! तेरी मौत नगीना! तूने मेरा 'तांत्रिक मुंड' क्षतिग्रस्त करके मेरी तंत्र शक्तियों को सीमित कर दिया था। लेकिन जिस किलर द्वारा बनाया गया यह यंत्र काफी कुछ मेरे 'तंत्र मुंड' की तरह ही काम कर रहा है...
...तंत्र मुंड' के समान ही मैं इसके ज़रिए अपनी तंत्र शक्ति का वार तुझ पर कर सकती हूं। और इस बार तू इसे मेरे शरीर से अलग करके मुझे बेबस नहीं कर सकेगा, क्योंकि इसने पहले ही तुझे बेबस कर दिया है हम तीनों ने मिलकर।
सर्रर्र
आह! कमज़ोरी तेज़ी से बढ़ती जा रही है और मेरे शरीर से सर्प भी बाहर नहीं आ रहे हैं। मिस किलर के यंत्र बहुत तेज़ी से काम कर रहे हैं...

...इस वक्त मुझे इस जाल से निकलने के लिए किसी मदद की बहुत सख्त जरूरत है। वर्ना शायद ये तीनों अपने नापाक इरादों में कामयाब हो जाएंगी!
...कि ठीक उससे कुछ ही कदमों की दूरी पर खड़ी हुई थी–
मैं पांच मिनट से यहां खड़ा सारी बातें सुन रहा हूं। पहले इस लड़ाई में कूदने से कोई फायदा नहीं होता, क्योंकि मैं इन विलेनों की ताकत को नहीं जानता था...
...लेकिन अब मुझे काफी कुछ अन्दाजा लग गया है। इसलिए अब इस लड़ाई में कूदकर नागराज की मदद करने का वक्त आ गया है...
नागराज फिलहाल यह नहीं जानता था...
सिर्फ चन्द लम्हे ही बचे थे–
इस बार हमारे संयुक्त वार तेरी जान निकाल लेंगे नागराज!...
...और तुझे बचाने वाला भी कोई नहीं...
...कौन?
ध्रुव! तुम यहां कैसे?
तुमसे कुछ काम था। तुम्हारे दोस्त ने बताया कि तुम इस इलाके की तरफ आए हो!

यह कौन था?
सुपर कमांडो ध्रुव! राजनगर में रहता है, और नागराज को वहीं से जानता है। हालांकि इसके पास कोई सुपर पॉवर नहीं है, लेकिन फिर भी यह कई दिग्गज विलेनों को धूल चटा चुका है।
खतरनाक लड़का लगता है। आज नागराज के साथ इसको भी खत्म कर देते हैं। बगैर सुपर पावरों के यह हमारे सामने टिक नहीं पाएगा। पीछा करो इसका।
और थोड़ी ही दूर पर-
तुमसे कुछ पूछने तुम्हारे घर पर गया था मैं, पर तुम वहां नहीं मिले। भारती के पास जाकर पता चला कि तुम उसी के पास थे। और अभी-अभी इस इलाके की तरफ आए हो।
वह मुझे फंसाने के लिए एक जाल था। और मैं उसमें फंस गया। ये तीनों अपने-आप में ही बहुत ताकतवर हैं। और एक साथ तो इनका मुकाबला कर पाना लगभग असंभव है।
वे तीन हैं तो हम भी दो हैं नागराज! इनका मिलकर सामना करेंगे।
इन तीनों के पास कई सुपर पॉवर हैं ध्रुव! और मैं इस वक्त में भी बेबस हूं-
...और तुम्हारे पास भी कोई सुपर पॉवर नहीं है।
तुम्हारे पास हिम्मत है नागराज! और मैं इनकी शक्तियों के बारे में भी काफी कुछ समझ चुका हूं। तुम चिन्ता मत करो। मेरे पास एक योजना है...
बस! फिर तो भी इधर ही आ गए!
...सुनो!
और थोड़ी ही देर बाद-
ये रहे दोनों!
खत्म कर दो इनको!

अगले ही पल सिस किलर आश्चर्यचकित हो गई—
अरे! अरे! यह लड़का तो सीधे हमारी तरफ आ रहा है! इसकी ये हिम्मत!...
...मैं अभी इसे परलोक पहुंचाती हूं!
हेडमास्टर हैबी ने, ध्रुव को ऐसे ऊर्जा वारों को झुकाने का अच्छा अभ्यास कराया हुआ था—
इसलिए ध्रुव, सिस किलर के ऊर्जा वारों से बचता हुआ कुछ ही सेकेंडों में सिस किलर तक पहुंच गया—
और अगले ही पल सिस किलर के हाथ में थमा हुआ यंत्र ध्रुव के हाथ में था—
और उससे अगले पल नागराज के हाथ में—
नागराज! कैच!
नागराज ने पिस्तौल नुमा यंत्र हाथ में आते ही, उसका रुख नागवस्त्र की तरफ करके ट्रिगर दबा दिया—
अरे! अरे! यह क्या?...
...अब मेरे शरीर में के सांप मरने लगेंगे!
मैं जानता हूं!

और मैं यह भी जानता हूं कि सिस किलर ने तेरे अन्दर पहले भी ऐसा ही एक यंत्र डाला था, जिसने नागश्री को समाप्त कर दिया। और चूंकि सिस किलर ने इसका प्रयोग तुझ पर ही पहली बार किया था इसलिए उसे भी यह पता नहीं होगा कि यह यंत्र कितनी देर तक सक्रिय रहता है...
इस कारण से मैं शर्त लगाकर कह सकता हूं कि सिस किलर ने इस यंत्र का कोई काट भी तैयार कर रखा होगा। और वही तुझे देकर तेरे शरीर के अन्दर के यंत्र को नष्ट कर दिया होगा, वर्ना यह यंत्र तेरे शरीर में भी नागों को पैदा होने नहीं देता।...
...यह ध्रुव का आइडिया है। अब देखना यह है कि सिस किलर ने वाकई ऐसा कोई काट तैयार कर रखा है या नहीं।
...और यह जल्दी ही पता करना होगा। वर्ना अपनी कमजोर हालत में मैं ज्यादा देर तक नागदन्त पर काबू बनाए नहीं रख सकता।
सोच ले नागदन्त! उस यंत्र के काट का प्रयोग करके बचेगा, या मेरे हाथों से मरेगा।
हूं... हैं...
नागदन्त, यह नागराज... तुम इसकी बातों में मत आना।
की चाल है।...
काट हो या न हो... मैं तो मारा ही जाऊंगा न।
...मैं ले बताऊंगा। क्योंकि अब सिर्फ नागराज ही मुझे बचा सकता है।
उससे पहले मैं तुझे भी खत्म कर दूंगी, और इसे भी।

और ऐसा करना फिलहाल नामुमकिन भी होगा। क्योंकि तुम दोनों ही इस वक्त कमजोर अवस्था में हो, और मेरे ऊर्जा वारों को झेल नहीं पाओगे।
आह! दुष्ट चौताली!
तू मुझे ही मारने चली है!
जल्दी करो नागराज! इससे पहले कि यह हम दोनों को यमपुरी पहुंचा दे, मुझको सूक्ष्म यंत्रों को नष्ट करने का तरीका बता दो।
पिस्तौल के पीछे बने होल्डर को अपने शरीर से सटाओ! यह सारे यंत्रों को उस स्पर्श बिन्दु पर खींच लेगा, और फिर एक हल्के 'इलैक्ट्रिक डिस्चार्ज' से उनको नष्ट कर देगा।
...और सिर्फ यह पिस्तौल ही अपने द्वारा छोड़े गए सूक्ष्म यंत्रों को निष्क्रिय कर सकती है।
यह मुझे तुमको सिर्फ इसलिए बताना पड़ा, क्योंकि पिस्तौल तुम्हारे पास ही थी...
नागराज ने होल्डर को शरीर से सटाया और कुछ ही पलों बाद असर सामने आने लगा—
वाह! मुझे अपने शरीर में शक्ति वापस आती महसूस हो रही है। यानी सूक्ष्म यंत्र नष्ट हो रहे हैं।
जल्दी करो नागराज! अब यह यंत्र मुझे...
...हैं हो?
ओह! मिस किलर के अंधाधुंध ऊर्जा वारों में से एक ने पिस्तौल को ही नष्ट कर दिया है।
मैं मिस किलर को जिन्दा नहीं छोड़ूंगा!

मिस किलर के कुछ समझने से पहले ही नागदन्त उस पर टूट चुका था–
धड़ाक
आह!
वाह! क्या सीन है! इनकी दोस्ती और दुश्मनी में तो कोई फर्क ही नहीं है...
अब मुझे बस इतना इन्तजाम करना है कि मिस किलर नागदन्त से दूर न भाग पाए!
नागराज की सर्प सेना ने...
...नागदन्त और मिस किलर को मजबूती से जकड़ लिया–
अब तुम दोनों लड़ते रहो, तब तक मैं देख आऊं कि ध्रुव और नताशा कहां चले गए हैं!...
ध्रुव और नताशा ज्यादा दूर नहीं गए थे–
ओह! मेरी मोटरसाइकल!

अभी तेरा भी हाल इस मोटरसाइकल जैसा ही जाएगा ध्रुव! नगीना की तंत्र-शक्ति तुझे भी जलाकर खाक कर देगी!
तुम्हारी शक्ति का मुख्य स्रोत तुम्हारे गले में लटक रहा यह शीशा है नगीना! अगर इसको मैं तुम्हारे शरीर से अलग कर दूं, तो तुम्हारी तंत्र-शक्तियां काफी हद तक बेकार हो जाएंगी।...
...इतना तो मैं तुम्हारी बातें सुनकर ही समझ गया था।
उसके लिए तुझे मेरे पास तक आना पड़ेगा, लड़के! और यह कर पाना तेरे बस की बात नहीं है!
अगर तुमको हरा पाना मेरे बस का काम नहीं है, तो फिर मेरा यहां क्या काम? मरने का मुझे कोई शौक नहीं है। मैं तो चला। जिन्दगी रहेगी तो फिर मिलेंगे!
तेरी जिन्दगी के तो अब कुछ ही पल बचे हैं ध्रुव!...
...क्योंकि मैं तेरा पीछा छोड़ने वाली नहीं हूं चाहे तू दुनिया के छोर तक भाग ले!

मैं जानता था कि नगीना मेरे पीछे जरूर आएगी। इन खलनायकों के अन्दर झूठे अहंकार की भावना बहुत तेज होती है। और यही इनकी हार का कारण बनता है! अब नगीना को हराने के लिए मुझे सिर्फ दो चीजें चाहिए। अपनी 'स्टारलाइन' और पेड़ की एक डाल।
नगीना को यह पता नहीं था कि ध्रुव के पास वह दिमाग है जो तिनके से भी स्टील को काटने की क्षमता रखता है–
जाएगा कहां वह मच्छर? अभी मैं उसको ढूंढ लूंगी!
चारों तरफ दौड़ती हुई नगीना की नजरें...
...अपने पैरों के नीचे नहीं देख रही थी–
अगले ही पल नगीना का शरीर हवा में उल्टा लटका हुआ था, और 'तंत्र गोला' जमीन पर पड़ा हुआ था–
बड़ी मामूली सी चाल थी नगीना। लेकिन तुम इसमें चुहिया की तरह फंस गई।
ओह! तो तूने असली रस्सी से फन्दा बनाया था...

...लेकिन इससे तू यह मत समझना कि नगीना बेबस हो गई है। नगीना अभी भी अपनी क्षीण तंत्र शक्ति से तुझे तो खत्म कर ही सकती है।
अब नहीं नगीना!...
...अब नागराज ध्रुव की मदद को आ गया है!
वाह, नागराज! आखिर तुमने उन दोनों को भी परास्त कर ही दिया।
ऐसे नहीं, ध्रुव! इन दोनों को। प्लान तो तुम्हारा ही बनाया हुआ था।
अब इन तीनों को किसी सुरक्षित कैद में...अरे! यह क्या?
ये दोनों तो गायब हो गए!
नगीना भी गायब हो गई है नागराज!

यह क्या हुआ, नागराज? यह तीनों एकाएक गायब कैसे हो गए?
मालूम नहीं ध्रुव! लेकिन देर-सवेर इस रहस्य पर से भी पर्दा उठ ही जाएगा। तुम बताओ कि तुम यहां पर क्यों आए थे?
तुमको कुछ दिखाना था नागराज! और वह चीज मैं तुम्हारे घर पर ही छोड़ आया हूं।
चलो, वहीं चलकर सब बताता हूं!
और फिर- नागराज के महानगर स्थित बंगले पर-
और फिर उस 'मलीहा' के पास से मिले इस 'संदलिन चक्र' और इस नक्शे को मैं यहां पर ले आया!
देखने से तो यह नक्शा 'पुरानी अवधी' का ही लगता है...
...बात कुछ समझ में नहीं आ रही है!...
शायद भारती चैनेल पर मलीहा वाली इस घटना के बारे में विस्तार से कुछ आ रहा हो!
क्लिक
भारती चैनेल' पर समाचार आते थे-
प्रधानमंत्री श्री गुजराल ने महानगर में दस करोड़ की लागत से बनी नई अंतरिक्ष वेधशाला का उद्घाटन किया...
...स्टॉक मार्केट, खेल समाचार एवं मौसम की विस्तृत जानकारी इस ब्रेक के बाद!
NEWS
अभी तक तो ऐसी कोई खबर नहीं आई! शायद आगे के समाचारों में...

ओह! कोई महत्त्वपूर्ण सूचना आ रही है।
महत्वपूर्ण सूचना
सूचना वाकई काफी महत्त्वपूर्ण थी–
इस प्रसारण को देखने वाले सभी धरती वासियों! सावधान! पृथ्वी का अन्त होने वाला है। सिर्फ 24 घंटे बाद। सारे पापी मरेंगे और सिर्फ वे ही बचेंगे जो प्रभु के दूत मसीहा की शरण में आएंगे।
अरे! यह तो वही आदमी है नागराज!
आसमान से प्रभु का कहर टूटेगा। मेरे साथ प्रभु से दया की भीख मांगो और अपने प्राण बचाओ!...
...इस संदेश की कैसेटें सारी दुनिया के अधिकांश टी.वी. चैनलों को भेजी जा चुकी हैं। सारी दुनिया कुछ ही देर में मसीहा के साथ होगी। आओ, प्रभु के दूत, देवदूत मसीहा के पास आओ।
क्या बकवास है! इस आदमी को मैंने पुरानी नगरी में कुछ देर पहले गुंडों के हमले से बचाया था जो अपनी रक्षा ही नहीं कर सकता वह दुनिया की रक्षा कैसे करेगा?
मैं भी इस पागल की बातों को बकवास मान लेता। जरूर मान लेता...
...अगर इसके पास यह अद्भुत यंत्र न होता तो! इसके कथन में कुछ सत्यता तो हो सकती है नागराज!

और इस सत्यता की परखने के लिए मुझे अंतरिक्ष वेधशाला जाना होगा। ... क्योंकि इस मसीहा के अनुसार 'प्रभु का कहर' आसमान से टूटेगा। यह जरूर किसी उल्का या धूमकेतु की बात कर रहा है।
तुम सिर्फ अपना समय बरबाद करोगे ध्रुव! मैं तो फिलहाल अपना समय उन तीन दुष्टों को ढूंढने में लगाऊंगा शायद उन्होंने और मसीहा ने कोई स्कीम मिलकर बनाई हो!
इस अभूतपूर्व प्रसारण से सभी लोग भौंचक्के रह गए थे-
यह क्या मजाक है मिस्टर पहलेजा? ऐसी कैसेट हमारी चैनल पर चली कैसे?
म... मुझे भी धोखा दिया गया मिस भारती!
यह आदमी मेरे पास 'पर्यावरण संरक्षण' पर बने एक संदेश की कैसेट लाया था मैंने चलाकर भी देखी थी। उसने इस संदेश के लिए मुझे डबल पैसे भी दिए थे। लेकिन...
...शायद जब मैं पैसे गिन रहा था, तब उसने बड़ी सफाई से कैसेट बदल दी। बताइए मैं क्या करता?
...यह मैसेज एक बार भारती चैनल जैसे बड़े चैनल पर चल चुका है। इसको उदाहरण मानते हुए दुनिया के दूसरे बड़े चैनल भी इसको चलाने में कोई नुकसान नहीं समझेंगे!
लेकिन जनता में आतंक फैल जाएगा। चारों तरफ अफवाहें फैल जाएंगी। और दुनिया के खत्म होने से पहले ही हो जाएगा दुनिया का विनाश!...
गलती तो हुई ही है मिस्टर पहलेजा! और इसका अंजाम होगा, यह आप नहीं समझ रहे हैं!...

धरती का डर बेबुनियाद नहीं था। जनता में आतंक फैलने लगा था-
लोग घर छोड़-छोड़कर जा रहे थे। कुछ किसी सुरक्षित स्थान की तलाश में थे-
और कुछ लोग पृथ्वी का विनाश होने से पहले अपने सगे-संबंधियों से मिल लेना चाहते थे-
ध्रुव इस आतंक को रोकने की कोशिश में महानगर स्थित नई अंतरिक्ष वेधशाला में आ पहुंचा था-
उन दो धूर्तों वेंकटराजू और डॉक्टर साहा को बेनकाब करके तुमने हमारे देश के 'स्पेस रिसर्च' कार्यक्रम पर बहुत उपकार किया है ध्रुव...
...तुम्हारे लिए तो हमारी इस नई और अत्याधुनिक वेधशाला की सभी सुविधाएं हाजिर हैं।
आपके मदद के प्रस्ताव के लिए मैं आभारी हूं डॉक्टर कादिर। परन्तु फिलहाल मुझे ऐसी किसी मदद की आवश्यकता नहीं है।
आपने धरती चैनेल पर इस पृथ्वी के विनाश के प्रलाप के बारे में तो सुन ही लिया होगा। आप मुझे यह बताइए कि धरती से किसी उल्का या धूमकेतु के टकराने की संभावना कितनी है?
संभावनाएं तो बहुत हैं ध्रुव। लेकिन कम से कम अगले पचास सालों तक कोई नहीं। हमारा अंतरिक्ष विज्ञान इतना एडवांस हो चुका है कि पृथ्वी की तरफ आने वाले ऐसे किसी खतरे को हम सालों पहले देख सकते हैं। और उसके पथ से यह भी ज्ञात कर सकते हैं कि वह पृथ्वी से कितनी दूरी से निकल जाएगा।
मुझे तो यह आश्चर्य हो रहा है कि तुम्हारे जैसा बुद्धिमान आदमी उस पागल मसीहा की बातों पर यकीन कैसे कर रहा है।

जबकि कहीं से भी ऐसा कोई संकेत नहीं मिल रहा है कि...
डॉक्टर कादिर! डॉक्टर कादिर!
क्या बात है प्रोफेसर कृष्णा? आप इतने घबराए क्यों हैं?
ये... ये फोटोग्राफ! एक... एक नक्षत्र के!
...हमारे टेलिस्कोप ने अभी-अभी खींचे हैं। यह वास्तव में एक... धूमकेतु है। एक विशाल धूमकेतु!
और यह है इसकी कक्षा की रिपोर्ट। इसके अनुसार यह धूमकेतु पृथ्वी से टकराने आ रहा है।... अगले 84 घंटे के अन्दर-अन्दर!
कक्षा= किसी ग्रह या तारे का पथ
असंभव! इतनी जल्दी यह धूमकेतु पृथ्वी तक पहुंच ही नहीं सकता है, प्रोफेसर कृष्णा! इसे अभी-अभी तो देखा गया है!
पहुंच सकता है सर! यह धूमकेतु अन्य धूमकेतुओं की तुलना में सौ गुना ज्यादा तेज गति से सफर कर रहा है!
यानी... यानी अगले 84 घंटों में पृथ्वी तबाह हो जाएगी! विनाश हो जाएगा पृथ्वी का!...
...हमको तुरन्त प्रधान मंत्री को सूचना भेज देनी चाहिए।
ओह, भगवान!
यानी मसीहा की बात सही निकली डॉक्टर कादिर! यह एक संगीत यंत्र है। क्या इसके संगीत का आप किसी तरह से विश्लेषण कर सकते हैं!
इससे क्या होगा ध्रुव?
शायद इससे मुझे पृथ्वी का विनाश रोकने में कोई मदद मिल सके!

freecomicsblog

इधर ध्रुव करोड़ों जिन्दगियों को बचाने का रास्ता तलाश रहा था-
तो कहीं और एक जिन्दगी को खत्म करने की जोड़-तोड़ हो रही थी-
यह हम लोग कहां आ गए हैं ?
हम शीशे के चैंबरों में कैद हैं। जरूर कोई हमको बन्दी बनाना चाहता है!
गलत! आप लोग मेरे बन्दी नहीं...
...बल्कि मेरे मेहमान हैं। ये शीशे के चैंबर तो मेरे 'टेली पोर्टेशन चैंबर' हैं। इसलिए आप लोगों को इन्हीं चैंबरों के अन्दर प्रकट होना पड़ा। मिस्त्र के एक पिरामिड में हैं आप लोग।
स्वागतम्! तूतेनखामेन के दरबार में आपका स्वागत है।
तूतेनखामेन! नाम तो बहुत सुना है!
परन्तु मुलाकात पहली बार हो रही है। इस तरह हमको बुलाने का क्या मतलब है ?
सहयोग, मित्रो, सहयोग! कुछ तुम मुझे दे सकते हो और कुछ मैं तुम्हें दे सकता हूं। तुम लोगों की ही तरह नागराज ने मुझे भी शक्तिहीन कर दिया है। मेरा मुखौटा ही मेरी मुख्य शक्ति था। इस वक्त जो मुखौटा मैं पहने हुए हूं यह नकली है। सिर्फ एक मुखौटा। इसमें कोई शक्ति नहीं है।

पढ़ें - जादू का खजाना

और जब तक मैं अपना असली मुखौटा नहीं पहन लेता, तब तक मैं अपनी सबसे बड़ी शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता। आत्माएं एक शरीर से दूसरे शरीर में ट्रांसमिट कर सकने की शक्ति। चाहे वह शरीर शून्य ही क्यों न हो।
तो तुम अपना मुखौटा पहन क्यों नहीं लेते? तुम तो अपने-आपको अपराधियों का शहंशाह मानते हो!
... तो मैं तुम लोगों से वादा करता हूं कि मैं नागराज को खत्म कर दूंगा।
नागराज ने मेरे इस भ्रम को दूर कर दिया है, उसके द्वारा मेरा मुखौटा उतार लिए जाने के कारण मेरा मुखौटा इन पिरामिडों के नीचे बनी असंख्य छोटी गुफाओं और सुरंगों के बीच कहीं पर बने 'शक्ति स्थल' पर पहुंच गया है।
और उन सुरंगों और गुफाओं में नागों का पहरा है। मेरी शक्तियां उन नागों पर व्यर्थ हैं। अगर नगीना और नागवन्ता उन सांपों को कब्जे में लेकर उससे शक्ति-स्थल का पता लगा लें...
सौदा तो आकर्षक है। लेकिन फिलहाल हमारी शक्तियां भी हमारे पास नहीं हैं। और बगैर नाग शक्तियों के हम नागों पर काबू नहीं पा सकते।
तुम लोगों की शक्तियां एक बार मेरी बदौलत वापस आ चुकी हैं नगीना! चलको मैं दुबारा भी वापस ला सकती हूं।
बहुत अच्छे! तो फिर तय हो गया कि तुम मेरा काम करोगे और मैं तुम्हारा।
ये खलनायक, आने वाले खतरे से अंजान थे-
लेकिन पृथ्वी के विनाश की खबर पूरे संसार में फैल चुकी थी-
लोग बदहवास होकर इधर-उधर भाग रहे थे-
यह आखिरकार हो क्या रहा है?
पृथ्वी के विनाश की धमकियां तो हम लोग दिया करते थे!

comicworld.us

लेकिन इतनी बड़ी जगह में वह स्थान कैसे ढूंढा जाए, जहां से 'मसीहा' यह यंत्र लाया... एक मिनट! वातावरण में यह बारूद की महक! यह महक उधर से आ रही है। मुझे उसी तरफ जाना चाहिए।
विस्फोट हुए काफी समय बीत जाने के बाद भी बारूद से हलकी हलकी महक छोड़ रहा था-
ये रही वह जगह! विस्फोट होने के सारे लक्षण यहां पर मौजूद हैं। एक दरार भी है। और नीचे जाने वाली सीढ़ियां भी दिख रही हैं।...
...मुझे नीचे जाना चाहिए?
हे भगवान! यह क्या?
तुम भी देवता का धन लूटने आए हो! उसी दुष्ट के साथी हो तुम भी!
आ गए हो तो अब यहां से जिन्दा वापस नहीं जाओगे।...

बांध दो इसको।
इसके और इसके साथी के कारण ही हम पर प्रभु का कहर टूट रहा है।
इधर ध्रुव एक नई मुसीबत में फंस चुका था-
और लगभग इसी वक्त नागराज एक हेलीकॉप्टर में मिस्र की राजधानी काहिरा की तरफ बढ़ रहा था-
और उसके साथ था एक खास हमसफर-
सौडांगी, तुम्हारा कहना एकदम सही लगता है। नगीना, नागदन्त और सिसकिलन ठीक उसी तरह से गायब हुए हैं, जिस तरह से मेरी काहिरा यात्रा के दौरान कई अपराधी गायब हो गए थे। ★
हो न हो। इसके पीछे जरूर तूतेन खामेन का ही हाथ है।
ये बात तो अभी थोड़ी देर में स्पष्ट हो जाएगी। लेकिन आज समुद्र जलयानों से भरा हुआ है। ये सारे लोग भी काहिरा की तरफ जा रहे हैं। पर क्यों?
काहिरा के ऊपर मंडराते ही इस प्रश्न का उत्तर मिल गया-
अरे! ये सारे लोग तो पिरामिडों के पास के रेगिस्तान में एकत्रित हो रहे हैं। हजारों लाखों, करोड़ों लोग! पर क्यों?
ओह! बीच में एक आदमी एक रहस्यमय देह लिए खड़ा हुआ है।

comicsworld.info

पृथ्वी का विनाश करने के लिए आ रहे धूमकेतु को अपने रास्ते से हटाने या नष्ट करने के लिए हमको अपने पास के सारे न्यूक्लियर शस्त्रों का प्रयोग करना पड़ेगा।
आप लोग ऐसा करने के लिए तैयार हैं या नहीं?
इसमें सोचने का कोई प्रश्न ही नहीं है राष्ट्रपति महोदय।
जब पृथ्वी ही नहीं रहेगी तो न्यूक्लियर शस्त्रों का भंडार तो वैसे ही खत्म हो जाएगा। हम सब इस योजना में सहयोग करने के लिए तैयार हैं।
बहुत अच्छे! तो आप सब लोग अपने-अपने देश की सभी न्यूक्लियर मिसाइलों का निशाना इस धूमकेतु पर लगा लीजिए।
हम अपनी सभी मिसाइलें एक साथ ही छोड़ेंगे।
दूसरी तरफ ध्रुव चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहा था-
इसकी कमरबन्द में से हमको कुछ धातु के धारदार टुकड़े और यह यंत्र मिला है सरदार खबीला!
यह यंत्र तो देवता के चरणों में रखा था। जिसे वह दाढ़ी वाला दुष्ट उठाकर ले गया था। इसके पास यह यंत्र मिलने के बाद अब कोई शक नहीं रहा कि यह उसी दुष्ट का साथी है।

इसकी एक ही सजा हो सकती है। मौत की सजा। जिन्दा जला डालो इसे।
कुछ ही देर में ध्रुव के चारों तरफ लकड़ियां सजा दी गई थीं–
अब हम पवित्र जल से देवों का आचमन करेंगे।...
और प्रभु से इस दुष्ट की बलि स्वीकार करने की प्रार्थना करेंगे।
यह पानी! यही मेरे बचने का एकमात्र तरीका हो सकता है।
ध्रुव की एक ही सधी हुई किक से घड़े का पानी लकड़ियों पर आ गिरा–
यह सचमुच दुष्ट प्राणी है। इसने पवित्र जल को लात मारी! शायद ये लकड़ियों को गीला करके जलने से बचना चाहता है। लेकिन हम गीली लकड़ियों को जलाकर इसे मारेंगे। लगा दो आग!
सरदार का आदेश मिलते ही लकड़ियों को सुलगा दिया गया–
और गीली लकड़ियों से गाढ़ा धुआं निकलकर ध्रुव को अपनी आगोश में समेटने लगा–

कुछ ही देर में धुआं उगलती गीली लकड़ियों ने आग पकड़ ली–
धुएं की मोटी चादर और आग की ऊंची लपटों ने कुछ मिनटों के लिए ध्रुव को कबायलियों की नजरों से ओझल कर दिया–
और जब आग की लपटें खत्म होने लगीं–
अरे! खंभे के साथ तो कोई भी नहीं है!
कहां गया वह दुष्ट?
मैं यहां हूं सरदार!
और न तो मैं उस दाढ़ी वाले का साथी हूं और न ही दुष्ट।...
...अगर मुझे जरा सा भी आभास होता कि यह एक पवित्र स्थल है तो मैं बगैर आप लोगों की इजाजत लिए यहां कभी न आता!
अपनी बंदी आज बचाने के लिए झूठ बोल रहा है तू! पर... पर तू आग से बचकर वहां कैसे पहुंच गया?
मैंने लकड़ियों पर पानी गिराया ही इसीलिए था ताकि मैं गीली लकड़ियों के धुएं की आड़ में अपने पैरों को मोड़, हाथों तक ले जा सकूं। और अपने बूट की हील में रखे कुछ तेज धार वाले औजार निकालकर आजाद हो सकूं!

★ यह जानने के लिए पढ़ें: 'इच्छाधारी'

और इसी वक्त- यहां से दूर काहिरा के पिरामिडों के नीचे बनी गुफाओं और सुरंगों की भूल भुलैया में, सौडांगी नागराज को उसकी मंजिल की तरफ ले जा रही थी–
बस, नागराज! हम तूतेन खामेन के अड्डे तक पहुंचने ही वाले हैं। अगली दो सुरंगें पार करते ही तूतेन खामेन का इलाका शुरू हो जाता है।
बड़ा रहस्यमय है सब कुछ। लेकिन तुम तूतेन खामेन के बारे में इतना कुछ कैसे जानती हो? और इतने सालों तक तुम पिरामिडों के नीचे क्यों रह रही थी?...
मुझे अभी यह एहसास हो रहा है कि मैं तुम्हारी गुजरी जिन्दगी के बारे में कुछ नहीं जानता।
तूतेन खामेन हमारा पुराना दुश्मन है नागराज! और मैं यहां पर अकेली नहीं रह रही थी। यहां पर तो इच्छाधारी नागों की एक पूरी बस्ती बसी हुई है। उनमें से कई मेरे संबंधी और रिश्तेदार भी हैं।
वे यहां पर क्यों रहते हैं? अगर वे चाहें तो किसी और सुरक्षित स्थान पर अन्य इच्छाधारी नागों के साथ रह सकते हैं। चाहो तो मैं उनको नागद्वीप में निवास दूं।
और उन शक्तियों और अपार धन को कब्जे में करने के बाद तूतेन खामेन जैसे शैतान का वध असंभव हो जाएगा।...
...मेरे संबंधी यहां पर अपने लिए नहीं, बल्कि दुनिया की सुरक्षा के लिए रहते हैं।
नहीं नागराज! उनको यहीं पर रहना होगा। सिर्फ वे ही तूतेन खामेन जैसी दुष्टात्माओं का मुकाबला कर सकते हैं।...
...क्योंकि इसका जादू उन नागों पर नहीं चलता। अगर वे सब भी यहां से चले गए तो इन पिरामिडों में छिपी कई शक्तियों को वो दुष्ट लूट लेगा।
फिर तुम मेरे साथ क्यों चली आई सौडांगी?
मुझे दुनिया घूमने का शौक है नागराज। और यह शौक तुम्हारे साथ रहकर पूरा भी हो रहा है। वैसे भी यहां पर एक नागिन के कम हो जाने से कोई फर्क तो पड़ता नहीं।

* ममी : रासायनिक तत्वों से लिपटी पट्टियों में सुरक्षित रखे हजारों वर्ष पुराने शव।

** फराओ : प्राचीन मिस्र के राजा को 'फराओ' कहते हैं। यह सब जानने के लिए पढ़ें : जादू का सौदागर

हम उन ममियों की तरह नहीं हैं नागराज! वे बहुत प्राचीन ममिया थीं, जो तुम्हारे वार से टूट गईं। हम ऐसे नहीं हैं। हम नहीं टूटेंगे।...
...हम तुझे तोड़ देंगे! और तू हमें मार नहीं सकता! क्योंकि हम तो पहले से ही मरे हुए हैं।
इसीलिए इन पर अपनी शक्तियों का दूसरी तरह से वार करना पड़ेगा!
यह सही कह रहा है। मेरी किसी भी शक्ति का इन पर असर होने वाला नहीं!
तू कुछ भी कर ले नागराज! इनसे बच नहीं सकता!
अच्छा! तो फिर आओ! पकड़ लो मुझे!
बस इतना ध्यान रखना कि इससे पहले मैं तुमको ही न पकड़ लूं!
अब ये एकदम ठीक जगह पर खड़े हैं!
बाकी का काम छत पर चिपके मेरे सर्प कर देंगे!...
...जिन्होंने ऊपर की चट्टानों को खोद-खोदकर ढीला कर दिया है!...

ये दोनों तो अपना क्रियाकर्म करवा चुके सौडांगी!
तो फिर इसका क्रियाकर्म मैं कर देती हूं!
नहीं सौडांगी! इसको जान से मत मारना...
...इसकी बातों से लग रहा है कि पिछले कुछ समय से इसमें काफी बदलाव आया है। शायद तूतेन खामेन ने अपना अड्डा भी बदल दिया हो। अगर ऐसा है तो यह मुर्दा हमको उस तक ले जाएगा!
नागराज तो अपने दुश्मन के काफी करीब पहुंच चुका था-
लेकिन ध्रुव अभी अपनी मंजिल से दूर था-
ओह! इतनी विशालकाय होने के बावजूद भी यह छिपकली काफी फुर्तीली है!...
...अगर एक बार इसने मुझे अपने पंजे के नीचे दबा लिया तो मैं हिल भी नहीं पाऊंगा!
इसलिए सबसे पहले इसकी फुर्ती को कम करना होगा।...
...और उसके लिए इसके पैरों का ऐसा इन्तजाम करना होगा, ताकि यह तेजी से न चल पाए।

'हार्डन टोड' की तेजी से चलने की जरूरत भी नहीं थी। क्योंकि उसके पास वार करने के लिए पंजों के अलावा और भी हथियार थे–
आऽऽह! इन जानवरों की पूंछें ऐसी भूल भगवान ने क्यों बनाई हैं?
पर काबू नहीं पाया जा सकता!
वैसे तो ऐसे विशालकाय जानवरों को कब्जे में करने के लिए, बेहोशी वाली डॉर्टों का इस्तेमाल किया जाता है...
...लेकिन इन जंगलियों ने मेरी बेल्ट से बाकी चीजों के साथ-साथ वह डॉर्ट कैप्सूल भी निकाल लिए हैं।
दूसरा तरीका इनको जाल में फंसाकर बांध लेने का है।
लेकिन यहां पर न तो फंसाने की चीज है, और न ही बांधने...
...एक मिनट; बांधने की चीज तो है।...पर मुझे उसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करना होगा!
ये दोनों खंभे काफी मजबूत लग रहे हैं...
...यह छिपकली इसको सिर नहीं पाएगी। अब मैं अपनी 'नायलो-स्टील' की स्टारलाइन का एक सिरा इस खंभे में बांध दूंगा।
अगले ही पल ध्रुव एक तरफ लपक गया–
और दूसरा सिरा लेकर छिपकली के गले में फंदा डालते हुए...

... स्टार लाइन का दूसरा सिरा इस खंभे में खींचकर बांध दूंगा।
अब सर्पमुख दोस्त बेबस था-
अरे! इसने सरीसृप को बेबस कर दिया! टूट पड़ो इस पर चारों तरफ से! मार डालो इसे!
चारों तरफ से कबायली, ध्रुव की तरफ बढ़ने लगे। और ध्रुव के पास उनको रोक सकने का कोई तरीका नहीं था-
उधर- तुतेन खामेन की आधी योजना पूरी हो चुकी थी-
हमने तुम्हारा काम तो कर दिया, तुतेन खामेन! पर अब तुम अपना वादा कब पूरा करोगे?
हां! तुमको नागराज को मारना है। उसके लिए तुम नागराज तक जाओगे, या नागराज को अपने जादू द्वारा यहां पर बुला लोगे?

तुम तीनों को भारत के महानगर से यहां मिस्र में काहिरा तक लाने की प्रक्रिया में मैं अपनी अधिकतर जादुई शक्ति बेकार कर चुका हूं। अब मुझमें इतनी शक्ति नहीं बची है कि मैं नागराज को महानगर से यहां तक बुला सकूं। पर उसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है...
... क्योंकि नागराज खुद ही...
...यहां तक पहुंच चुका है।...
... वाह!, वाह!, सौडांगी का ख्याल एकदम सही था। तुम तीनों की जान को तूतेन खामेन से ही बचाकर तुम लोगों को महानगर से यहां बुला लिया।
मैं जानता था कि इनके गायब होने का तरीका देखकर तुम नहीं तो सौडांगी तो अवश्य ही समझ जाएगी कि महान तूतेन खामेन का काम है। और फिर तुमको यहां ले आएगी।
ओह!, यानी तुम मुझको यहां बुलाना चाहते थे!, क्यों? क्या आत्महत्या का इरादा था?
आत्महत्या का नहीं 'हत्या' का नागराज!...
...और इसके लिए सौडांगी का तुम्हारे साथ आना बहुत जरूरी था!

क्योंकि तुम्हें मौत के घाट उतारने के लिए जिस जल्लाद की मैंने चुना है, उसका नाम है... सौडांगी!
सौडांगी! असंभव!
तुम पागल हो गए हो तूतेन खामेन! मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी!
सौडांगी अगर चाहे तो भी ऐसा नहीं कर सकती तूतेन खामेन! अगर तुम चारों मिलकर मुझे मार नहीं सकते तो सौडांगी मुझे कैसे मारेगी?
तुमको बाहर से वार करके मारना तो मुश्किल जरूर है नागराज, लेकिन अन्दर से वार करके तुमको मारना बच्चों का खेल है। सौडांगी अगर तुम्हारे शरीर के अन्दर ही सूक्ष्म रूप से अपने सामान्य रूप में आ जाए तो वह तुम्हारा शरीर फाड़कर बाहर निकल आएगी!
और सौडांगी ऐसा क्यों करेगी?
और शरीर फटते ही तुम्हारी आत्मा, परमात्मा में विलीन हो जाएगी!
क्योंकि उसको अपने संबंधियों से बहुत प्यार है नागराज!...
...उधर देखो! वे हैं सौडांगी के संबंधी। जिन्दगी और मौत के बीच में झूल रहे हैं...
...अब सौडांगी या तो तुमको मारेगी, या मैं इनको एक-एक करके फांसी पर लटका दूंगा।

ओह! तो तुमने इनको नागदंत और नगीना की सर्प शक्तियों की मदद से हराकर बन्दी बना लिया है। यानी इनको यहां पर लाने का तुम्हारा यही मकसद था। ... ... क्योंकि तुम्हारी शक्तियां तो हम पर विफल रहती हैं!...
...पर यह करके तू मुझको धमका नहीं सकता! नागराज की एक आन पर हमारे सर्प तो क्या, पूरी सर्प जाति अपने प्राण न्यौछावर कर सकती है!
मैं तुमको धमका नहीं रहा हूं सौडांगी! और अगर सर्प जाति को नागराज पर जान देने का इतना ही शौक है तो शुरुआत तुम्हारे संबंधियों से ही करते हैं!
तूतेन खामेन के एक ही इशारे पर एक नागिन का बदन हवा में ऊपर खिंच गया। और उसका दम घुटना शुरू हो गया—
सौडांगी तड़प उठी—
लेकिन इससे पहले कि वह कुछ करने के लिए तूतेनखामेन की तरफ बढ़ती...
...उसके चेहरे के भाव बदल गए—
और वह नागराज की तरफ पलट गई—
तुमको मरना होगा नागराज, मरना होगा!
अरे सौडांगी! होश में आओ!

मैं पूरे होश में हूं नागराज। एक जान के कारण कई जानों की बलि नहीं चढ़ने दूंगी मैं। तुम मुझे अपने शरीर में प्रवेश करने से नहीं रोक सकते।...
...और अगर तुम्हारे सूक्ष्म सर्पों ने मुझे रोकने की चेष्टा की तो मैं उन्हें भी मार डालूंगी!
हे देव! यह सच कह रही है। सूक्ष्म रूप में सिर्फ मेरे सर्प ही इसे रोक सकते हैं, और वे इसके सामने टिक नहीं पाएंगे। अगर ये मेरे शरीर में प्रविष्ट हो गई तो मुझे अवश्य मार डालेगी!
मैं इसको ज्यादा देर तक रोका नहीं पाऊंगा। मुझे भागना होगा।
भागोगे कहां नागराज? अपनी मौत से बचकर आज तक कोई नहीं भाग पाया।
उनको रोको, तूतेन खामेन! वे दोनों तो बाहर भाग गए!
भागेंगे कहां? अब तक ये इच्छाधारी नाग हमारी कैद में हैं...
...तब तक सौडांगी नागराज को कहीं जाने नहीं देगी!
तूतेन खामेन का ख्याल गलत नहीं था—
क्योंकि लगभग एक मिनट बाद ही नागराज और सौडांगी अपना काम कर चुके थे—

★ ये सब जानने के लिए पढ़ें

हो सकता है। लेकिन फिलहाल हमारे पास और कोई रास्ता नहीं है। अपने पास की सारी मिसाइलें इस्तेमाल कर लो।...
...और बाकी चार देशों को भी यही संदेश भेज दो।
और काहिरा में–
यह क्या हो रहा है? धूमकेतु पास आता जा रहा है। और मुझे प्रभु की तरफ से कोई संकेत नहीं... ...संकेत मिल गया!
जीवन दंडक चमक रहा है!
अब मैं इन सैकड़ों, हजारों, लाखों आँखों को प्रभु का चमत्कार दिखाऊँगा, नष्ट कर दूंगा इस जीवन दंडक से धूमकेतु को। और बचा लूंगा पृथ्वी को। पर... पर ये क्या?
लेकिन 'मसीहा' के कुछ कर पाने से पहले ही निशाने पर सभी मिसाइलें एक साथ धूमकेतु से जा टकराईं–
चारों तरफ से मिसाइलें धूमकेतु की तरफ बढ़ रही हैं। प्रभु के काम में खलल दे रहे हैं ये दुष्ट!
मैं इन दुष्ट पृथ्वी वालों की योजना को सफल नहीं होने दूंगा।
लेकिन–
मु...मुझे विश्वास नहीं हो रहा है, सैकड़ों न्यूक्लियर मिसाइलों का सम्मिलित वार भी धूमकेतु को नष्ट नहीं कर सका!

हा हा हा! अपने आप ही विफल हो गए ये दुष्ट। अब 'मसीहा' रोकेगा धूमकेतु को। जीवन दंडक की ऊर्जा से।
अपने-आप ही चमक उठे जीवन-दंडक से ऊर्जा की एक किरण निकलकर धूमकेतु की तरफ लपकी-
और उस रहस्यमय ऊर्जा के एक ही वार ने धूमकेतु को टुकड़े-टुकड़े में बिखेर दिया। परन्तु कहीं कुछ गड़बड़ हो चुकी थी-
धूमकेतु का एक छोटा टुकड़ा धूमकेतु से अलग होकर अब भी पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा था-
और उसके गिरने का स्थान था...
आस-पास की पूरी धरती इस टकराव से कांप उठी। ऊपर सतह पर भी-
और नीचे बनी गुफाएं और सुरंगें भी-
यह क्या था? भूकम्प?
--काहिरा-
'मसीहा' के लगभग एक बड़ा सा गड्ढा बनाते हुए वह टुकड़ा धरती में समा गया-
शायद 'जीवन दंडक' की ऊर्जा उसे वहां खींच लाई थी-
भूकम्प ही होगा! ऐसे मामूली झटके यहां पर लगते ही रहते हैं।
इसको भूल जाओ और नागराज की मौत का नजारा देखो।
सौडांगी
की।

अगली ही पल- नागराज चीख उठा। उसे देखने से ही यह साफ जाहिर हो रहा था कि उसके शरीर के अन्दर एक तेज दबाव पैदा हो रहा है-
सबसे पहले उसकी छाती को फाड़ता हुआ एक हाथ बाहर निकला। और खून बाहर टपकने लगा-
फिर उसका पूरा शरीर दो भागों में बंटने लगा-
आह! ईयाआ! ऊ
नागराज के गले से ऐसी चीखें निकल रही थीं जैसे किसी शेर को काटा जा रहा हो-
और फिर चीखें शान्त हो गईं! खून से सनी सौडांगी, नागराज के लहू से लथपथ लाश से बाहर निकल आई-
तुम्हारा काम हो गया तूतेन खामेन...
...अब मेरे संबंधियों को मुक्त कर दो...
आज सौडांगी की भावनाएं उसके फर्ज पर हावी हो गई थीं-

मुक्त कर दूं? तेरे संबंधियों को रिहा कर दूंगा। करना ही पड़ेगा! क्योंकि अब मुझे तुझसे नहीं इनसे काम है।...
...अब मैं तुझे बन्दी बनाकर इनको 'शक्ति-स्थल' से अपना मुखौटा लाने को विवश करूंगा!
नीच, धोखेबाज! तूने नागराज को मेरे हाथों धोखे से मरवा डाला।...
...अब मैं तुममें से किसी को जिन्दा नहीं छोड़ूंगी।
अपनी जान जाने के डर से तो इन्होंने मेरा काम नहीं किया...
...शायद तेरी जान जाने के डर से ये मेरा काम कर दें।...
...नगीना, नागदन्त पकड़ लो इसे!
सौडांगी, फुंकारती हुई अकेले ही चारों से भिड़ गई-
थोड़ी देर तक तो कोई उसे हाथ तक नहीं लगा पाया-
धड़
शीघ्र ही सौडांगी उनकी गिरफ्त में थी-
आह! अब या तो मुझे मेरा मुखौटा वापस मिलेगा या तेरी गर्दन धड़ से अलग होगी!
लेकिन इतने शक्तिशाली शत्रुओं के सामने ज्यादा देर तक ठहर पाना असंभव काम था-
वहां से दूर-बहुत दूर-एक और जांबाज शत्रुओं की गिरफ्त में आने वाला था-
इसके कारण प्रभु का कहर हम पर टूट ही पड़ा।...
...अब इसकी बलि लेकर ही प्रभु का क्रोध शान्त होगा!

ध्रुव को धूमकेतु के नष्ट होने का कारण नहीं पता था-
क्योंकि इतनी दूर से वह न तो मिसाइलों को धूमकेतु से टकराते देख पाया था और न ही मरोहा के ऊर्जा वार को धूमकेतु को नष्ट करते-
धूमकेतु एकाएक गायब हो गया है। पर एक छोटे टुकड़े को मैंने पृथ्वी की तरफ गिरते देखा है। अब तक तो वह पृथ्वी से टकरा चुका होगा। लेकिन लगता है कि वह कोई नुकसान नहीं कर पाया।...
...अब यहां पर मुझे कोई काम नहीं है। बस मुझे यहां से सुरक्षित निकलना है। और वह भी उस रहस्यमय संगीत यंत्र को लेकर। उस पर मैं कुछ और टेस्ट करवाना चाहता हूं।
पर यह काम आसान नहीं होगा। क्योंकि एक तो मैं थक चुका हूं। और ऊपर से इन जंगलियों की तादाद बहुत ज्यादा है।...
...इस वीराने में न तो कोई पशु दिख रहा है, और न ही पक्षी। जिसे मैं मदद के लिए बुला सकूं।
कोशिश करने के बावजूद भी, ध्रुव के जीतने की संभावनाएं कम होती जा रही थीं-
कम- बहुत कम-
लेकिन इससे पहले कि अगला वार ध्रुव को कोई नुकसान पहुंचा सकता-
जैसे बिजली सी चमक उठी-

अरे! ऊपर हेलीकॉप्टर से कोई मेरी मदद कर रहा था। यहां पर मेरी मदद को कौन आ गया?
एक मिनट बाद ही ध्रुव को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
एक आश्चर्य-जनक जवाब-
ग्रैंडमास्टर रोबो, और बौना वामन! तुम लोग यहां पर क्या कर रहे हो?
जवाब में रोबो ने ध्रुव को धूमकेतु से पृथ्वी को बचाने के सिलसिले में ध्रुव से मदद की बात बता दी-
और मुझे यह सूचना भी मिल गई थी कि तुमको पुरानी नगरी की तरफ आते देखा गया है। बस हम यहां आ गए।
ओह! लेकिन धूमकेतु का खतरा तो टल चुका है!
अभी नहीं टला है ध्रुव धूमकेतु का एक टुकड़ा का दिशा में आकर गिरा है... ठीक वहीं, जहां पर 'मसीहा' अपने लाखों श्रद्धालुओं के साथ रहता है...
...और अब धूमकेतु के उस टुकड़े से एक नई मुसीबत पैदा हो रही है और उसका कारण मसीहा खुद है। आओ, हेलीकॉप्टर में लगे वीडियो उपकरण पर इसका सीधा प्रसारण आ रहा है... स्पाई-सैटेलाइटों के द्वारा!

raj comics

काहिरा में सचमुच एक विनाश का दूत जन्म ले रहा था-
यही है! यही है! प्रभु का वह रूप जो इस धरती से पाप का विनाश कर देगा!
ध्रुव भी इस नई मुसीबत के दर्शन करके स्तब्ध रह गया-
यह तो कोई परग्रही प्राणी लगता है, रोबी! हमको तुरन्त काहिरा पहुंचना होगा!
मेरा हैलीकॉप्टर ध्वनि से तिगुनी तेज गति से चलता है। यह हमको काहिरा पहुंचाने में ज्यादा वक्त नहीं लगाएगा।
ठीक है! पर उससे पहले मैं यहां से कुछ जरूरी चीजें साथ ले जाना चाहता हूं!
काहिरा में रेगिस्तानी सतह के नीचे भी काफी हलचल थी-
ऐसे ही तुम्हारी गर्दन तोड़ी जाएगी!
मेरे एक इशारे पर इसका भेजा बाहर आ गिरेगा!...
...अब बताओ, अगर मैं तुम लोगों को आजाद कर दूं तो तुम लोग 'शक्ति-स्थल' से मेरा मुखौटा ले आओगे या नहीं?
कभी नहीं!
तुझे जो करना है, कर ले!
ये हमारी चेतावनी को कोरी धमकी समझ रहे हैं, मिस किलर!...
...इनको सच्चाई दिखा दो... शुरुआत इसकी आंखें निकाल कर करो!

comicsworld.ws

नहीं मार सकते, तूतेन खामेन! क्योंकि जिसको तुम 'नाटक' कह रहे हो वह इन बन्दी नागों को मुक्त करने के लिए ही रचाया गया था। जब सौडांगी को तुम लोग पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। उस दौरान मेरे नाग नगीना और नागदन्त की शक्तियों को परास्त करके उनकी जगह लेने में जुटे हुए थे।...
...इस वक्त इनको बांधने वाले नाग तुम लोगों के नहीं मेरे हैं।
अब मैं तुम लोगों को यहाँ से किसी सुरक्षित केन्द्र वाले में...
...अरे! यह क्या?
सतह पर कुछ गड़बड़ हो रही है!
मैं अपनी वीडियो स्क्रीन पर अभी देख रहा हूं कि...
...हे देवी आइसिस! ये... ये तो किसी अजीब ही प्रकार का खतरनाक प्राणी लग रहा है।...
...किसी गड्ढे से निकल रहा है!
गड्ढा! ऐसा गड्ढा तो किसी उल्का के टकराने से ही बनता है यानी... उस धूमकेतु का कोई टुकड़ा यहां पर टकराया है!
कैसा धूमकेतु?
तुम नहीं जानते?
...यानी तुम्हारा 'मसीहा' से कोई संबंध नहीं है?
मसीहा? वो आदमी, जो सतह पर एक दंड लिए खड़ा है? उससे मेरा क्या मतलब?
लेकिन उसके हाथ के दंड से मुझे मतलब जरूर हो सकता है।...

क्योंकि अगर मैं इसको ठीक पहचान रहा हूं तो यह वही 'जीवन दंडक' है जिसका जिक्र मैंने सैकड़ों वर्षों पहले सुना था। और अगर मुझे ठीक से याद है तो यह 'जैविक ऊर्जा' खींच सकता है। इसको पाकर मेरे सुरवोटे की कमी पूरी हो सकती है।
नागराज, यह प्राणी अगर धूमकेतु के टुकड़े से उत्पन्न हुआ है तो यह जरूर कोई परग्रहवासी है और पृथ्वी के लिए खतरा है। हम सब मिलकर ही इसको हरा सकते हैं।... तुम इसको आजाद करदो।
क्योंकि इस मुसीबत के टलने तक हम दुश्मन नहीं दोस्त रहेंगे!
शायद तूतेनखामेन ठीक कह रहा है नागराज!
मुझे भी इसकी बात में दम लग रहा है, सौडांगी?...
... वैसे भी, इन सबको तो मैं दुबारा भी पकड़ सकता हूं। अगर पृथ्वी बची रही तो!
सतह पर स्थिति सचमुच खतरनाक रूप धारण कर रही थी–
जय हो! जय हो प्रभु के 'कल्कि अवतार' की। दुष्टों का विनाश करो प्रभु! विनाश करो!

comicsclub

ठीक इसी वक्त-
यस कमांडर! हमारे 'एफ 73' लड़ाकू विमान ठीक उसी स्थान के ऊपर मंडरा रहे हैं जहां से उस रहस्यमय प्राणी को धूमकेतु के टुकड़े द्वारा बने गड्ढे से निकलते देखा गया था-
...खबर एकदम सही है। यह प्राणी हर पल आकार में बढ़ता ही जा रहा है। क्या हम हमला करें?
नहीं कैप्टेन! इस हमले से वहां पर खड़े लाखों लोगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। फिलहाल तुम वापस बेसलौट आओ!
लेकिन इससे पहले कि कैप्टेन कमांडर के आदेश पर अमल कर पाता-
अगले ही पल-एक बिजली सी लपलपाई-
और दोनों लड़ाकू विमानों के टुकड़े हवा में उड़ने लगे-
ये दुष्ट अवतार को नुकसान पहुंचाने आए हैं? पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।
नष्ट कर दो पापियों को, हे कल्कि अवतार!
लेकिन मसीहा को 'पापियों' को सिर्फ इतना दंड मिलने से ही सन्तोष नहीं हुआ-
ये दुष्ट फिर हमला करेंगे। हे कल्कि अवतार उस स्थान को ही जलाकर राख कर दो, जहां से ये आए हैं।...

मसीहा की प्रार्थना के जवाब में 'कल्कि अवतार' के बदन में फिर से एक हरकत हुई-
चमकती हुई किरण सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करती हुई ...
-कादिरा से कुछ ही दूरी पर स्थित अमेरिकी स्पेस बेस से जा टकराई-
जब रोशनी की चमक खत्म हुई तो वहां पर राख के ढेर के अलावा कुछ नहीं बचा था-
अब तक दुनिया ने इन पापियों का अंजाम देख लिया होगा। अब या तो ये सारे प्रभु की शरण में आएंगे, या इनका विनाश हो जाएगा।
गलत, मसीहा! 'पापी' ये मानव नहीं, तू खुद है, जो पापियों की आड़ में निर्दोषों को मार रहा है।
कौन? ओह, नागराज! तो तुम भी प्रभु की शरण में आ ही गए!...
...और वह भी अपने साथियों के साथ!
होश में आओ मसीहा! यह प्रभु का रूप नहीं किसी दूसरे लोक का प्राणी है।...
...और अगर इसने विनाश बंद नहीं किया तो हमें इसको नष्ट करना होगा!
तू नश्वर प्राणी, प्रभु के अवतार को नष्ट करेगा!! छोटा मुंह बड़ी बात! उससे पहले तू ही नष्ट हो जाएगा। हे अवतार, नष्ट कर दो इन पांचों नास्तिकों को।

महीष के आदेश का तुरन्त पालन हुआ–
लेकिन किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, क्योंकि सबको इस हमले की पूरी उम्मीद थी–
अब हम क्या करें, नागराज? तुम्हारे पास कोई योजना है या नहीं?
तुम लोग इसका ध्यान बंटाने की कोशिश करो। और इस दौरान मैं इसके पास पहुंचकर इस पर अपने विषदंश का प्रयोग करूंगा! यह तुरन्त जलकर मर जाएगा।
क्योंकि इस पर विष फुंकार या सर्प सेना का असर तो होने से...
आऽऽह!
ओह! तूतेनखामेन को एक वार लग गया है!
आह! आश्चर्य है! मुझको यकीन नहीं हो रहा है। मैं तो एक आत्मा हूं। मुझ पर ऐसे ऊर्जा वारों का खास असर नहीं होता है। लेकिन इस वार से तो मुझे अपनी ऊर्जा खिंचती सी लगी।
अगर ये वार हमको लग गया होता तो हमारा भी यही हाल होता–

इसलिए अब इसको पलटकर जवाबी हमला करना पड़ेगा! इस पर मेरे साथ ही वार करो। एक साथ तगड़ा वार!
तीन तरफ से 'कालि अवतार' पर एक साथ वार हुए—
लेकिन जैसे ही तीनों वारों का स्पर्श उसके शरीर से हुआ—
आह! मेरे शरीर की शक्ति 'तंत्र-किरण' के जरिए खिंच रही है। और मैं अपनी तांत्रिक क्रिया को बन्द भी नहीं कर पा रही हूं।
मेरा भी यही हाल है...
...इस प्राणी ने हमारी किरणों को भी पकड़ लिया है।
म...मैं भी सर्प रस्सी को शरीर से अलग नहीं कर पा रहा हूं।
मैं इसके शरीर तक तो शायद न पहुंच पाऊं लेकिन इन तंतुओं में से एक को जरूर पकड़ सकता हूं। इसे झटका तो जरूर लगेगा...
...लेकिन बेहोश होने से पहले मैं अपना जहर इसके शरीर में जरूर पहुंचा दूंगा।
ओह! इस प्राणी को शीघ्र ही रोकना अब और भी जरूरी हो गया है

लेकिन उसका 'अवतार' पर कोई असर नहीं हुआ-
उल्टे तंतु ने अपना आकार बढ़ाकर नागराज के पूरे शरीर को अपनी लपेट में ले लिया। और नागराज की जैविक ऊर्जा तेजी से खिंचनी शुरू हो गई-
आह! यह तो वार उल्टा पड़ गया। इस प्राणी की शक्तियों को मैंने कम आंका था। काश मैंने ध्रुव की बात को गंभीरता से लिया होता।...
...क्योंकि अगर वह इस वक्त यहां होता तो इस जीव को नष्ट करने का कोई न कोई रास्ता जरूर निकाल... यह क्या?
अचानक जैसे नागराज की मुराद पूरी हो गई-
पहले तो स्टार ब्लेडों के सटीक निशाने ने तंतुओं को काटा...
...और फिर नागराज का शरीर 'कल्कि अवतार' से दूर खिंच गया-
ध्रुव! तुम यहां कैसे?
किस्मत से हम दोनों की मंजिल एक ही थी नागराज!
घबराओ नहीं नागराज! मैं इसको काबू में करने का तरीका साथ लाया हूं। यह ब्लैक बॉक्स! इससे... ओह! रोबो! बीना
यह जीव बहुत खतरनाक है ध्रुव! और 'मसीहा' किसी प्रकार से इसको नियंत्रित कर रहा है-
...अगर यह नष्ट नहीं हुआ तो मसीहा इसके जरिए पूरी दुनिया को घुटने टेकने पर मजबूर कर देगा।

रैंडमास्टर रोबी और बौना वामन, दोनों ही हैलीकॉप्टर के फटने से पहले ही कूद चुके थे–
और रेत के टीले पर गिरने के कारण उनको ज्यादा चोट भी नहीं लगी–
ध्रुव ने बिना कोई वक्त खोए 'ब्लैक बॉक्स' को 'ऑन' करके 'कल्कि अवतार' के शरीर पर फेंक दिया–
सम्मोहित कर देने वाली संगीत की ध्वनि हवा में तैरने लगी। सब पर बेहोशी सी छाने लगी–
सिवाय कल्कि अवतार के। एक हल्के से दबाव से ही 'ब्लैक बॉक्स' के पुर्जे-पुर्जे अलग हो गए–
और ध्रुव की इस धृष्टता की सजा भी तुरन्त मिल गई–
ध्रुव!
ओह। ध्रुव! तुम ठीक तो हो न?
आह! कब से कस जिन्दा महसूस कर रहा हूं।...
...लेकिन शरीर में लग रहा है जैसे कि कोई जान ही न हो!
यह 'जैविक ऊर्जा' का वार था ध्रुव। और इस वार ने तुम्हारी 'जैविक ऊर्जा' यानी 'बायलोजिकल एनर्जी' भी सोख ली है...
...ऐसा ही अगर एक और वार तुम को लग गया तो तुम नष्ट हो जाओगे!

और पास में ही रेत के एक टीले पर कोई और भी इस दृश्य को बड़े ध्यान से देख रहा था-
राक्षस चंडकाल-
मैं इस 'जीवन दंडक' की सूचना मिलते ही यहां पर आ गया था। यह 'जीवन-दंडक' अगर मेरे हाथों में आ गया तो फिर नागराज तो क्या, देवों की पूरी सेना मिलकर भी मुझे हरा नहीं सकती!
परन्तु दंडक लेने के लिए मुझे इन्तजार करना होगा। सलीहा दंडक का प्रयोग जानता है। वह इसके जरिए मेरी ऊर्जा भी खींच लेगा। एक बार दंडक इसके हाथों से गिर जाए या अनाड़ी हाथों में आ जाए तो फिर मैं दंडक पर कब्जा कर लूंगा!
नागराज और ध्रुव ऐसा ही कुछ करना चाह रहे थे-
तुम्हारा 'क्योर-शॉट' तरीका तो फेल हो गया ध्रुव! अब क्या करें? ऐसे लड़ते रहने से कोई फायदा नहीं होगा। क्योंकि ये तो गहेल और मच्छर की लड़ाई है!
हिम्मत मत हारो नागराज! शायद इस लड़ाई में आखिरकार गहेल हम लोग ही साबित हों। ये प्राणी अगर पैदा हुआ है तो नष्ट भी होगा। वैसे इसकी गर्दन भी कहीं नहीं दिख रही जिसे काटा जा सके।
गर्दन होती तो भी काटने से कुछ फायदा नहीं होता ध्रुव। क्योंकि यह प्राणी पेड़ की तरह है। इसके तंतु पेड़ की जड़ों की तरह पृथ्वी के अंदर तक घुसे हुए हैं...
... जैसे पेड़ की डाल काटने से पेड़ नहीं मरता, वैसे ही इसे भी कहीं से काट लो नष्ट नहीं होगा।
पेड़! जड़ें! यह प्राणी नष्ट हो सकता है नागराज! नष्ट हो सकता है! जड़ों की तरह यह अपने तन्तुओं से ऊर्जा ले रहा है। पृथ्वी के गर्भ में भरे लावे की ऊर्जा। इसीलिए देखते ही देखते यह विशालकाय हो गया है!

अगर इसकी जड़ों को काट दिया जाए, तो यह ऊर्जा नहीं खींच पाएगा, और जितनी तेजी से बढ़ा है, उतनी ही तेजी से खत्म भी हो जाएगा। और यह काम तुम्हारी और रोबो की टीम ही कर सकती है।
तुम्हारे सूक्ष्म सर्प यह पता लगा सकते हैं कि इस प्राणी के तंतु जमीन के नीचे कहां-कहां पर हैं, और रोबो की किरण उन तंतुओं को नष्ट कर सकती है।
मेरी और रोबो की टीम। वह कैसे?
चलो, यह भी करके देख लेते हैं। इस काम में तो सौडांगी हमारी ज्यादा मदद कर सकती है...
...इसको जमीन के नीचे फैली सुरंगों और गुफाओं की पूरी जानकारी है, आओ रोबो।
हैडमास्टर रोबो और नागराज के जाने के बाद
है तो जरूर! क्योंकि दोनों में ही एक सी ऊर्जा दौड़ती लग रही है। पर इस दंड की असली उपयोगिता क्या है... यह सोचने में दिमाग जरूर खपाना पड़ेगा।
तुम एक बात भूल रहे ध्रुव। मसीहा के हाथों में थमा हुआ दंड। उसका इस जीव से कुछ संबंध है न?
ये तो एकदम बेजान से लग रहे हैं। जैसे... जैसे इनकी ऊर्जा चूसी जा रही हो। मैं,
ये दंड एक प्रकार का एंटीना है जो बायोलोजिकल एनर्जी खींचता है
यहां पर लाखों की भीड़ में एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो हमारे सवाल का जवाब दे सके।
कहां से होगा? सारे के सारे तो एकदम
लगा... ओह।
इन सभी की ऊर्जा खिंच रही है। थोड़े ही समय में इनकी सारी ऊर्जा दंड के द्वारा इस प्राणी में स्थानांतरित हो जाएगी। यह प्राणी मानवों की जैविक ऊर्जा से ही मानवों पर वार कर रहा है।

ऐसा है तो हमारी भी ऊर्जा खिंच रही होगी।
जरूर खिंच रही होगी। लेकिन इन सबके मुकाबले इसको यहां पर अभी काफी कम समय हुआ है। इसीलिए शायद इसको इसका आभास नहीं हो रहा है।
यानी इसके हाथ से दंड निकालना बहुत जरूरी है। पर कैसे ध्रुव?
इसका दंड 'जैविक ऊर्जा' खींचता है बौने बालक! इनमें से कोई भी इसके पास से यह दंड नहीं ले सकता। यह काम सिर्फ तुम ही कर सकते हो।
म...मैं? वह कैसे?
जैविक ऊर्जा सिर्फ जीवित चीजों पर ही असर करती है बालक!
मशीनी चीजों पर नहीं। और मुझे पक्का यकीन है...
...कि तुम अपने रिमोट कंट्रोल युक्त मशीनी खिलौनों के बगैर कहीं नहीं जाते हो!
तुम मुझे बहुत अच्छी तरह से जानते हो ध्रुव! मेरा बैग ऐसे खिलौनों से भरा पड़ा है!
?
तो इंतजार किस बात का है? तुम मसीहा के हाथ से दंड निकलवाओ...
...और मैं मसीहा का इंतजाम करता हूं!
मसीहा के कुछ समझ पाने के पहले ही हमला शुरू हो गया—
हा हा हा! अब तू मुझ पर वार करेगा कैसे? और वह भी इन खिलौने से? टैंक को गुलेल मार कर तोड़ना चाहता है तू?
देख, मैं इसका क्या हाल करता हूं?

जैविक ऊर्जा के एक ही वार ने खिलौने के टुकड़े-टुकड़े हवा में बिखेर दिए-
और यही नागराज चाहता था। क्योंकि खिलौना तश्तरी के टूटते ही अंदर से दर्जनों की तादाद में मधुमक्खियां निकलकर, 'मसीहा' पर टूट पड़ीं-
और सतह के नीचे- नागराज के नाग सुरंगें बनाकर रोबो की जमीन के नीचे फैले तंतुओं तक पहुंचा रहे थे-
और रोबो की 'लेसर आई' की शक्तिशाली किरण उन तंतुओं को नष्ट कर रही थी-
सतह पर- मसीहा अपने-आप को बचाने में व्यस्त था-
ओफ। ये मक्खियां इनके डंक तो बहुत तेज हैं!
लगता है, तुमको इनके डंकों से बहुत तकलीफ हो रही है मसीहा!

और मैं तुम जैसे 'भक्त' को कष्ट पाते नहीं देख सकता। इसलिए मैं तुमको बेहोशी की दुनिया में पहुंचाकर तुमको तकलीफ से छुटकारा दिला सकता हूं।
सलीहा का दिमाग बेहोशी की दुनिया की तरफ रवाना होते ही दंड उसके हाथ से छूटकर नीचे आ गिरा–
और घायल होने का नाटक कर रहे तूतेन खामेन का पंजा दंड पर आ कसा–
आहा हा! अब मैं दुनिया का बादशाह बनूंगा।
मेरी जादुई ताकतों और जीवन-दंडक की शक्ति के आगे दुनिया की कोई भी ताकत मेरे सामने...
...यह किसने दंड पकड़ने की हिम्मत की है?
मैंने तूतेन खामेन! और तंत्र शक्ति में मैं तुम्हारा भी बाप हूं। नाम है सकल चंडकाल। इसलिए यह दंड छोड़ दो और जहां से आए हो, वहीं लौट जाओ।
लौटेगा तो तू चंडकाल क्योंकि इस दंड से मैं तेरी आत्मा को ही निकाल लूंगा।
मेरा भी यही इरादा है तूतेन।
दोनों ही दंड के जरिए एक दूसरे की आत्मा को निकालने में जुट गए–
और उधर- पृथ्वी के गर्भ से लावे की ऊर्जा सोख रहे आखिरी तेतु को भी रोबो ने नष्ट कर दिया–

और इसका आश्चर्यजनक असर सतह पर तुरंत ही नजर आ गया—
वामन देखो! इस प्राणी के खोले फटने शुरू हो गए हैं। यानी नागराज और रोबो ने इसकी तंतु जड़ों को नष्ट कर दिया है।
देखते ही देखते 'कल्कि अवतार' के विशालकायशरीर के स्थान पर लिसलिसे द्रव का एक तालाब बना हुआ था—
और कुछ ही पलों बाद—
खत्म हो गया यह प्राणी? यानी ध्रुव का सोचना एकदम दुरुस्त था। पर... पर यह क्या? दंड तो...
... दंड को लेने के लिए तूतेन खामेन और राक्षस चंडकाल आपस में उलझे हुए हैं नागराज!
और इस लड़ाई को रोकने के लिए मैं कुछ नहीं कर सकता।
ध्रुव या किसी और को कुछ करने की जरूरत भी नहीं थी। क्योंकि दोनों ही अपनी शक्तियों के प्रहारों को बढ़ाते ही जा रहे थे। और किसी भी ऊर्जा के एक साथ इतनी मात्रा में एकत्रित होने का एक ही नतीजा होता है—
—विस्फोट—
ओह! एक धमाके के साथ चंडकाल, तूतेन खामेन और जीवन दंडक तीनों ही गायब हो गए हैं।
यह सब क्या था, ध्रुव? कुछ समझ में नहीं आय

खैर! फिलहाल तो पहले यहां का काम समेट... अरे!
...नागदंत, हसीना और जिम किलर कहां गायब हो गए?
समझ गया! जब मैं यहां नहीं था और तुम मसीहा से निबटने में व्यस्त होंगे...
...तभी ये तीनों मौका पाकर निकल भागे होंगे। क्योंकि इनकी समझ में भी तीन स्वामेन की दोहरी चाल आ गई होगी।
लेकिन मैं रोबो और बौना वामन का शुक्रिया जरूर अदा करना चाहूंगा...
कोई जरूरत नहीं, सुपर कमांडो ध्रुव। हमने तुम्हारा साथ सिर्फ इसलिए दिया क्योंकि इसमें हमारा भी स्वार्थ शामिल था।
मुलाकात खत्म, दोस्ती खत्म।
आज के बाद हम जब भी मिलेंगे दुश्मनों की तरह!
और फिर-
मसीहा को तो हमने इंटरपोल के हाथों में सौंप दिया ध्रुव! पर पूरी कहानी मुझे अभी समझ में नहीं आई। धूमकेतु का मसीहा से क्या संबंध था? ये देव मसीहा को ही क्यों मिला? और... और वह 'कल्कि अवतार' क्या चीज था?
मुझे भी न तो कुछ समझ में आया नागराज, और न ही तुम्हारे किसी सवाल का जवाब मेरे पास है। पर अगर मेरा ख्याल सही है तो मैं तुमको एक ऐसी जगह पर ले चल रहा हूं जहां पर हर जवाब मौजूद है। और वह जगह है...
...पुरानी नगरी-
इस बार जंगली हमें तंग नहीं करेंगे। क्योंकि वे मुझसे भी एक बार टकरा चुके हैं। और शायद तुमसे भी। आओ।
ये... क्या है ध्रुव? लगता ही नहीं कि हम पृथ्वी पर ही हैं।
मुझे भी ऐसा ही अहसास हो रहा है नागराज!

मसीहा के पदचिन्हों का पीछा करते-करते ध्रुव और नागराज शीघ्र ही रहस्य कक्ष तक पहुंच गए-
वाह! यह मूर्ति तो किसी अन्य ग्रहवासी की लगती है नागराज!
गलत समझे! हम दूसरे ग्रह के वासी नहीं हैं...
-सच पूछो तो हमारा कोई ग्रह नहीं है और सारे ग्रह हमारे हैं।
कौन हैं आप?
हम्म! हमको तुम ब्रह्मांड का संरक्षक कह सकते हो।...
-हमारा काम ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति करना और उसके विकास पर नजर रखना है।
यानी... आप भगवान हैं?
नहीं! ईश्वर तो बहुत ऊपर है। हम तो उनके सबसे छोटे कर्मचारियों में से एक हैं।
आप लोग ग्रहों पर जीवन की उत्पत्ति कैसे करते हैं?
धूमकेतुओं के जरिए। धूमकेतु के केन्द्र में जीवनदायी जीवाणु होते हैं। परन्तु इनका प्रयोग विनाश के लिए भी होता है!
धूमकेतु के टकराने से किसी भी ग्रह का तात्कालिक जीवन नष्ट हो जाता है। और उसके केन्द्र के जीवाणु एक नए प्रकार के जीवन की उत्पत्ति करते हैं!
परंतु मसीहा का इससे क्या संबंध है?
कोई संबंध नहीं है। दरअसल जब कोई समाज प्रभु के चमत्कार पर पाप के रास्ते पर चलने लगता है तो हम उनको कई प्रकार से यह एहसास दिलाते हैं कि उनके ऊपर प्रभु है।
परंतु जब वे प्राणी यह नहीं समझते तो अंततः उस दिशाहीन समाज को नष्ट करना ही एकमात्र रास्ता बच जाता है।
पृथ्वी के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। इसी कारण हमने एक धूमकेतु को पृथ्वी की तरफ भेजा...

और 'मसीहा' के दिल में यह प्रेरणा उत्पन्न कर दी कि वह यहां पर आकर 'जीवन दंडक' ले ले। और इसके जरिए धूमकेतु को नष्ट करके पृथ्वीवासियों के दिलों में प्रभु की आस्था को बढ़ा दे। ...
... यह दंड धूमकेतु के केन्द्र के जीवाणुओं की जैविक ऊर्जा को सोखकर उसी से धूमकेतु को नष्ट कर सकता है।
इसीलिए मसीहा के हाथ में दंड तभी चमका, जब धूमकेतु इतनी पास आ गया कि जीवन दंडक धूमकेतु की जैविक ऊर्जा को सोख सके। परन्तु हम भी हर होने वाली घटना को पहले से भांप नहीं सकते। इसलिए हमसे भी चूक हो गई।
पहले तो दंड, क्रियाशील होते ही धूमकेतु के साथ-साथ वहीं खड़े लाखों मानवों की ऊर्जा भी सोखने लगा और दूसरे परमाणु प्रक्षेपास्त्रों के टकराने से धूमकेतु के जीवाणुओं पर एक अजीबो-गरीब असर हुआ। एक तो वे जैविक ऊर्जा से नष्ट नहीं हुए, और दूसरे उनमें तेजी से द्विगुणित होकर विशाल रूप धरने की क्षमता आ गई।
परन्तु इससे पहले कि हमको हस्तक्षेप करना पड़ता तुम दोनों ने अपनी बुद्धि के बल पर उस जीव को नष्ट करके स्थिति को सामान्य बना दिया। अब हमें विश्वास हो गया है कि जिस समाज में तुम्हारे जैसे सच्चे प्राणी होंगे वह गलत रास्ते पर जाकर भी वापस आ सकता है।
लेकिन इस काम के लिए मसीहा को ही क्यों चुना गया? और वह ब्लैक-बॉक्स क्या था?

'मसीहा' के एक पूर्वज एक सज्जन ऋषि थे। इस कारण हज़ारों वर्ष पूर्व हमने उनको एक ग्रंथ-पुराण भेंट किया था, जिसमें हमारे भविष्य कार्यों का उल्लेख है।...
... इसीलिए जब इस शताब्दी में हमको एक ऐसा मानव चुनने की आवश्यकता पड़ी जिसके जरिए हम प्रभु का चमत्कार दिखा सकें तो हमने मसीहा को ही चुना।...
...और वह 'ब्लैक बॉक्स' एक ऐसा यंत्र है, जिसका प्रयोग हम पृथ्वी पर ही करते हैं। जब हमको पृथ्वी पर आकर किसी खास घटना क्रम को देखना पड़ता है तो यह यंत्र हर जीवित पृथ्वीवासी को सुला देता है। इस कारण न तो कोई हमें देख पाता है और न ही हमारे कार्य में बाधा डालता है।
एक बात और जानना चाहता हूं संरक्षक। वह देव, चंडकाल और तूतेन खामेन कहां गायब हो गए?
शायद किसी दूसरे आयाम में चले गए हों। मुझे इसकी जानकारी नहीं, पर इतना जरूर जानता हूं कि वे नष्ट नहीं हुए हैं।
अब मेरा जाने का समय हो गया है। मैं जानता था कि तुम यहां आओगे और इसीलिए मैं तुम्हारा इंतजार कर रहा था...
... पर मुझे संरक्षक से ये मुलाकात जीवन भर याद रहेगी।
... और अधर्म से लड़ने का उनका संदेश भी।
धर्म की रक्षा करो।
अधर्म का नाश करो।
हमारी शक्ति हमेशा तुम्हारे साथ रहेगी। विदा।
ओह। संरक्षक के जाते ही मूर्ति-चमकते गोले सब गायब हो गए हैं।
चाहे सब गायब हो जाएं नागराज,...
मैं भी इस मुलाकात और संदेश को कभी नहीं भूलूंगा